P372

इंदौर, गुरुवार 02 अप्रैल 2026

■ वर्ष : 5 ■ अंक : 133

■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

राष्ट्रपिता को नमन...

सब सुख लहै तुम्हारी सरना। तुम रच्छक काहू को डरना॥

पितृ पर्वत हनुमान मंदिर

रणजीत हनुमान मंदिर

श्री वीर अलीजा सरकार

हंसदास मठ

वनखंडी हनुमान मंदिर

अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता - श्री हनुमानजी की अनुपम महिमा

अक्षय की बात अपनो के साथ

भारतीय सनातन परंपरा में हनुमानजी को शक्ति, भक्ति और निस्वार्थ सेवा का सर्वोच्च प्रतीक माना गया है। वे केवल बल और पराक्रम के देवता ही नहीं, बल्कि विनम्रता, बुद्धि और समर्पण की जीवंत मिसाल हैं। रामचरितमानस में गोस्वामी तुलसीदास ने हनुमानजी की महिमा का अत्यंत सुंदर वर्णन करते हुए उन्हें 'अष्ट सिद्धि नौ निधि के दाता' कहा है। अष्ट सिद्धियाँ वे दिव्य शक्तियाँ हैं, जिनके माध्यम से साधक असाधारण कार्य कर सकता है। हनुमानजी इन आठों सिद्धियों के स्वामी हैं–

1. **अणिमा** – सूक्ष्म से सूक्ष्म रूप धारण करने की शक्ति
2. **महिमा** – अत्यंत विशाल रूप धारण करने की क्षमता
3. **गरिमा** – स्वयं को अत्यधिक भारी बना लेना
4. **लघिमा** – अत्यंत हल्का हो जाना
5. **प्राप्ति** – इच्छित वस्तु को प्राप्त कर लेना
6. **प्राकाम्य** – इच्छा अनुसार कार्य सिद्ध करना
7. **ईशित्व** – सब पर शासन करने की क्षमता
8. **वशित्व** – दूसरों को अपने वश में करने की शक्ति

इन सिद्धियों के माध्यम से हनुमानजी ने असंभव को संभव बनाया—चाहे समुद्र लांघना हो या लंका में प्रवेश कर माता सीता का पता लगाना। नौ निधियाँ धन, समृद्धि और वैभव के प्रतीक मानी जाती हैं। ये हैं–पद्म, महापद्म, शंख, मकर, कच्छप, मुकुंद, कुंद, नील और खर्व। इन निधियों के दाता होने का अर्थ केवल भौतिक संपत्ति देना नहीं, बल्कि जीवन में सुख, शांति, संतोष और आध्यात्मिक समृद्धि प्रदान करना भी है। हनुमानजी का सबसे महान गुण उनकी अटूट भक्ति है। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन भगवान राम की सेवा में समर्पित कर दिया। उनके लिए सबसे बड़ा धन 'राम नाम' था। उन्होंने कभी अपनी शक्तियों का अहंकार नहीं किया, बल्कि सदैव स्वयं को राम का दास माना। आज के समय में जब मनुष्य तनाव, भय और अस्थिरता से घिरा है, हनुमानजी की उपासना आत्मविश्वास, साहस और मानसिक शांति प्रदान करती है। हनुमान चालीसा का नियमित पाठ नकारात्मक ऊर्जा को दूर कर सकारात्मकता का संचार करता है। हनुमानजी केवल एक देवता नहीं, बल्कि जीवन जीने की प्रेरणा हैं। उनकी शक्ति हमें साहस देती है, उनकी भक्ति हमें समर्पण सिखाती है और उनका सेवा भाव हमें मानवता का मार्ग दिखाता है। हनुमानजी की कृपा से जीवन में न केवल भौतिक सफलता मिलती है, बल्कि आत्मिक शांति और सच्चे सुख का भी अनुभव होता है।

अंदर के पन्नों पर...

मिडिल इस्ट तनाव का इंदौर-पीथमपुर पर पड़ रहा बुरा असर

पेज-2

कनाडा में मर्डर के 21 दिन बाद पहुंचेगा शव

पेज-5

भोजशाला विवाद : सबकी टिकीं नजरें, आज है सुनवाई

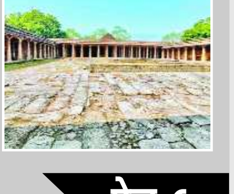

पेज-6

बहुप्रतिक्षित निगम मंडल के नामों को लेकर बढ़ी बेचैनी

सूची को लेकर बेकरार, प्रतिक्षा में दावेदार

मोहन यादव और हेमंत खंडेलवाल की पसंद का रहेगा दबदबा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● भारतीय जनता पार्टी की सरकार को बने हुए दो साल से अधिक का समय हो चुका है। अगर कुछ नामों को छोड़ दे तो अभी भी कार्यकर्ताओं को निगम मंडल की सूची का इंतजार है। प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की ताजपोशी के बाद से ही निगम मंडल के दावेदारों के अरमानों को पंख लग गए थे। खुद प्रदेश अध्यक्ष ने भी अपने बयानों के माध्यम से इन पदों को लेकर पार्टी की गंभीरता जताई थी। गत एक-दो माह से सियासी गलियारों में इन पदों को लेकर चल रहे नामों की सुगबुगाहट से पार्टी कार्यकर्ताओं और दावेदारों के मध्य बेचैनी बनी हुई है। हालिया खबर यह है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल और संघ के वरिष्ठ नेताओं के साथ अंतिम दौर की चर्चा के बाद अब यह सूची दिल्ली हाईकमान के पास जा चुकी है। भाजपा कार्यालय के अनुसार यह सूची किसी भी समय जारी की जा सकती है।

गौरतलब है कि भाजपा संगठन के लिए निगम मंडल के दावेदारों के मध्य संतुलन स्थापित करना बहुत बड़ा राजनीतिक टास्क है। अगर निगम मंडलों के पदों को लेकर चर्चा की जाए कि सबसे ज्यादा दावेदारी पूर्व मंत्रियों की है। इसके अलावा विधानसभा चुनाव और अन्य संगठन के पदों पर जिन नेताओं को मौका नहीं मिला, उनको लेकर भी पार्टी ने विचार किया है।

मोहन-हेमंत की केमिस्ट्री जबरदस्त

राजनीतिक सूत्र बताते हैं कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री बनी हुई है। इसकी खबर संघ के साथ-साथ भाजपा के आलाकमान को भी है। यही कारण है कि चाहे निगम मंडल के पदों की बात की जाए, चाहे संगठनों के पदों की बात की जाए, दोनों नेताओं की पसंद को दरकिनार किया जाना मुश्किल नजर आ रहा है।

सिंधिया फेक्टर भी बना देरी का कारण

भाजपा की प्रदेश की राजनीति को नजदीकी से समझने वाले राजनीतिक समीक्षकों का मानना है कि केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की पसंद के नामों को शामिल करने की जद्दोजहद भी निगम मंडल की सूची को अंतिम रूप देने में हो रही देरी भी एक बड़ा कारण हो सकती है। चूंकि सिंधिया भाजपा प्रदेश नेतृत्व के बजाय अपने समर्थकों के नामों की सूची दिल्ली दरबार में देकर आए थे। जिसके बाद से ही पूरी सूची में अनेक फेरबदल किए गए। बहरहाल सिंधिया समर्थकों के कितने नामों को इन मंडलों में तरजीह दी जाएगी, यह तो सूची जारी होने के बाद ही पता चल पाएगा, किन्तु इस प्रकार की कवायद के चलते प्रदेश में हर नेता अपने वजूद को और अपने राजनीतिक वजन का महत्व जताने में पीछे नहीं हट रहा है।

मई से पहले नहीं हटेगा ट्रांसफर से बैन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● प्रदेश में ट्रांसफर से बैन हटने का इंतजार कर रहे अधिकारी-कर्मचारियों को इस बार थोड़ा लंबा इंतजार करना पड़ेगा। इस साल मई के बाद ही ट्रांसफर से बैन हटने के आसार हैं। इसकी वजह है जनगणना का बड़ा काम है, जिसमें बड़ी संख्या में अधिकारी-कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जा रही है। दरअसल, मप्र में जनगणना का पहला चरण 16 अप्रैल से शुरू होगा। इसी दिन से मप्र में जनगणना निदेशालय की ओर से तैयार सेल्फ एन्युमरेशन पोर्टल मप्र की विंडो खुलेगी। आम लोग 16 से 30 अप्रैल तक स्व-गणना सुविधा का लाभ उठाते हुए खुद ही अपनी जानकारी ऑनलाइन दर्ज कर सकेंगे। इसके बाद मप्र के लिए सेल्फ एन्युमरेशन विंडो बंद हो जाएगी। फिर 1 मई से डोर-टू-डोर सर्वे शुरू हो जाएगा, जिसमें मकान, दुकान और भवनों की गिनती होगी। डोर-टू-डोर सर्वे 30 मई तक चलेगा। आधिकारिक जानकारी के अनुसार प्रदेश में मकान-दुकान और भवनों की गणना के लिए 1 मई से 1.90 लाख कर्मचारी फील्ड में उतरेंगे। मप्र के जनगणना कार्य निदेशालय ने प्रदेश में पहले चरण की जनगणना के लिए 1 लाख 60 हजार प्रगणक और 30 हजार पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। चूंकि मकान-दुकान और भवनों की गणना का काम 30 मई तक चलेगा, इसलिए इस अवधि में किसी भी सूरत में ट्रांसफर से बैन हटने के आसार नहीं हैं। अधिकारियों का कहना है कि हर जिले में 15 से 20 प्रतिशत कर्मचारियों की जनगणना में ड्यूटी लगाई गई है। ऐसे में यदि 30 मई से पूर्व तबादलों से बैन हटाया जाता है, तो जनगणना का काम प्रभावित हो सकता है। एक जिले से दूसरे जिले में कर्मचारियों के स्थानांतरण से डेटा संग्रहण में विसंगति और देरी की संभावना बढ़ जाती है। अधिकारियों का कहना है कि जनगणना का कार्य पूरी तरह टाइम-बाउंड है और केंद्र सरकार इसकी लगातार मॉनिटरिंग करती है। इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही या देरी की जवाबदेही सीधे राज्य सरकार की रहेगी।

न्यूज ब्रीफ

- कानपुर पुलिस की रडार पर बाहरी डॉक्टर, ऑपरेशन टीम के मिले सुराग
- ट्रंप की स्पीच के बाद थाईलैंड में ईंधन की कीमतों में भारी उछाल, सरकार ने सब्सिडी में की कटौती
- 9 अप्रैल को दिल्ली दौरे पर जाएंगे नीतीश कुमार, 10 अप्रैल को राज्यसभा सांसद के रूप में लेंगे शपथ
- तेल संकट के बीच केंद्र सरकार का बड़ा फैसला, 40 पेट्रोकेमिकल पर छूट
- हनुमान जयंती के मौके पर दिल्ली के उत्तम नगर-जहांगीरपुरी में जुलूस को लेकर पुलिस का हाई अलर्ट
- ईरान ने सेंट्रल इजरायल को बनाया निशाना, दागी मिसाइलें
- 'अच्छा चल रहा है हमारा ऑपरेशन एपिक फ्यूरी', बोले डोनाल्ड ट्रंप

129 करोड़ का पेट्रोल-डीजल घोटाला सात व्यापारियों पर एफआईआर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मांगलिया इलाके में स्थित भारत पेट्रोलियम के डिपो से जुड़ा एक बड़ा घोटाला सामने आया है। मामला 129 करोड़ 55 लाख रुपए की धोखाधड़ी का है। इसमें शहर के सात व्यापारियों और ट्रांसपोर्टरों ने कंपनी के लॉयल्टी ऐप और फ्लीट कार्ड सिस्टम की तकनीकी खामी का फायदा उठाया है। पैसा दिए बिना डीजल और पेट्रोल भरवाते रहे। पुलिस ने उनके खिलाफ साइबर धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है।

फ्लीट कार्ड क्या होता है और कैसे काम करता है?

फ्लीट कार्ड ट्रक, बस और अन्य व्यावसायिक वाहनों के लिए जारी किया जाने वाला एक खास कार्ड होता है। इससे ड्राइवर नकद पैसे रखे बिना पेट्रोल-डीजल भरवा सकते हैं। जब भी कार्ड से तेल भरवाया जाता है, पैसा सीधे कंपनी के बैंक खाते से कटता है।

BPCL ने 17 दिसंबर 2021 से फ्लीट, कॉर्पोरेट और व्यक्तिगत ग्राहकों के लिए एक लॉयल्टी ऐप शुरू किया था। इस ऐप से ग्राहक नेट बैंकिंग, यूपीआई, क्रेडिट या डेबिट कार्ड से अपना वॉलेट रिचार्ज कर सकते हैं। रिचार्ज के बाद वॉलेट का पैसा देशभर के BPCL स्टेशनों पर ईंधन भरवाने में काम आता है।

BPCL का लॉयल्टी ऐप रेजरपे और पाइनलैब्स पेमेंट गेटवे से जुड़ा है। रेजरपे के जरिए रिचार्ज की राशि सीधे BPCL के बैंक खाते में जाती है। 31 मार्च 2023 को रेजरपे की जोखिम मूल्यांकन टीम ने BPCL को सूचित किया कि लॉयल्टी ऐप और गेटवे सिस्टम में संदिग्ध रिचार्ज हुए हैं। कंपनी ने जब अपना डेटा खंगाला, तो चौंकाने वाला सच सामने आया। 1093 ग्राहकों के वॉलेट में 129 करोड़ रुपए का रिचार्ज दर्ज था, लेकिन कंपनी के बैंक खाते में एक रुपया भी नहीं आया था। यानी वॉलेट में बैलेंस दिख रहा था, पर असल में कोई भुगतान हुआ ही नहीं था। BPCL ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सभी संदिग्ध खाते ब्लॉक कर दिए और जितनी रकम वापस मिल सकती थी, उसे वापस लिया। बाकी आरोपियों से पैसे लौटाने को कहा गया, लेकिन उन्होंने मना कर दिया।

दूसरों को नसीहत, खुद मियां फजीहत

नियमों का पाठ पढ़ाने वाले निजी स्कूल संगठन के पदाधिकारियों के स्कूलों की मान्यता जेडी ने की खारिज

आशीष गुप्ता : 9425064357

इंदौर ● दैनिक इंदौर संकेत

निजी स्कूलों की पैरवी और नियमों की दुहाई देने वाले प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन के पदाधिकारी अब खुद ही सवालों के घेरे में हैं। संयुक्त संचालक (जेडी) द्वारा हाल ही में की गई कार्रवाई में संगठन के कुछ पदाधिकारियों से जुड़े स्कूलों की मान्यता अस्वीकृत कर दी गई है। इसमें गोपाल सोनी, अरुण खैरात और विजय शेखावत के स्कूल भी शामिल है। गौरतलब हैं इन स्कूलों पर पहले भी काफी शिकायतें हुई थी लेकिन दवाब प्रभाव से अभी तक इन पर कोई कारवाही नहीं हुई।

विदित है कि यह वही चेहरे हैं, जो अब तक प्रशासन के साथ शिक्षा विभाग पर नियमों की मनमानी का आरोप लगाते रहे, लेकिन जब जांच की बारी आई तो उनके अपने स्कूल ही निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतर पाए।

सूत्रों के मुताबिक जिन पदाधिकारियों ने वर्षों तक स्कूल संचालकों के हक की लड़ाई का दावा किया, उनके ही संस्थानों में मूलभूत नियमों का पालन अधूरा पाया गया। जांच में सामने आया कि कहीं भवन संबंधी कमियां थीं, तो कहीं जरूरी दस्तावेज और सुविधाएं अधूरी मिलीं। जेडी कार्यालय की इस कार्रवाई को एक सख्त संदेश माना जा रहा है कि अब नियमों के नाम पर 'सेटिंग' या दबाव की राजनीति ज्यादा दिन नहीं चलने वाली।

संगठन की साख पर सवाल–इस घटनाक्रम के बाद प्राइवेट स्कूल एसोसिएशन की साख पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। शिक्षा जगत में चर्चा है कि जो संगठन खुद नियमों के पालन में असफल रहा, वह दूसरों के लिए मार्गदर्शक कैसे बन सकता है? हालांकि, इस पूरे मामले ने यह साफ कर दिया है कि अब 'नेतागिरी' नहीं, 'नियम' ही मान्यता का आधार बनेंगे।

खारिज के बाद अब 'सेटिंग अपील' का खेल' भोपाल में पहली अपील पर उठे सवाल

निजी स्कूलों की मान्यता निरस्त होने के बाद अब मामला नया मोड़ लेता नजर आ रहा है। सूत्रों के अनुसार, जिन स्कूलों की मान्यता संयुक्त संचालक (जेडी) ने खारिज की थी, वे अब भोपाल में पहली अपील के जरिए फिर से मान्यता हासिल करने की कोशिश में जुट गए हैं। जानकारी सामने आ रही है कि कुछ पदाधिकारी अपने मामलों को 'न्यायालयीन प्रकरण' का रूप देकर लोक शिक्षण संचालनालय में राहत पाने की कोशिश कर रहे हैं। यानी नियमों की कमी को तकनीकी और कानूनी जाल में उलझाकर मान्यता का रास्ता निकालने की तैयारी चल रही है।

भोपाल में सक्रिय लॉबिंग

शिक्षा महकमे के सूत्रों का कहना है कि भोपाल स्तर पर कुछ अधिकारियों से संपर्क साधकर फाइलों को अनुकूल दिशा देने की कोशिशें तेज हो गई हैं। इंदौर में जेडी द्वारा की गई कार्रवाई को जहां सख्ती का संकेत माना गया था, वहीं भोपाल में चल रही हलचल उस सख्ती को चुनौती देती दिख रही है। अगर अपील के नाम पर नियमों को दरकिनार किया गया, तो यह पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता पर बड़ा सवाल खड़ा करेगा।

शिक्षा व्यवस्था या 'मैनेजमेंट सिस्टम'

इस पूरे मामले ने यह बहस छेड़ दी है कि क्या शिक्षा व्यवस्था अब नियमों से चलेगी या 'मैनेजमेंट' से? पालक वर्ग और ईमानदार स्कूल संचालकों में भी नाराजगी है। अगर अपील का मंच भी 'मैनेजमेंट' का केंद्र बन गया, तो यह केवल कुछ स्कूलों की मान्यता का मामला नहीं रहेगा, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था के 'मूल्यांकन' की जरूरत खड़ी कर देगा।

न्यूज ब्रीफ

अग्निवीर भर्ती : इंदौर-उज्जैन संभाग के 15 जिलों के युवाओं को मिलेगा अवसर

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● भारतीय सेना में अग्निवीर भर्ती रैली 2027 के लिये आवेदन हेतु विज्ञापन जारी किया गया है। योग्य एवं इच्छुक युवाओं के चयन के लिये इंदौर एवं उज्जैन संभाग के 15 जिलों में सेना भर्ती रैली का आयोजन सेना भर्ती कार्यालय महू, जिला इंदौर द्वारा किया जाएगा। भर्ती रैली में भाग लेने के लिये ऑनलाईन पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। अभ्यर्थी 10 अप्रैल 2026 तक अपना आवेदन भर सकते हैं। इच्छुक उम्मीदवार भारतीय सेना की अधिकृत वेबसाइट www.joinindian-army.nic.in पर जाकर पंजीयन कर सकते हैं।

6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस, कार्यकर्ता घर घर फहराएंगे पार्टी ध्वज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● आज भाजपा इंदौर नगर की कामकाजी बैठक भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा, मंत्री तुलसीराम सिलावट, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, विधायक मालिनी गौड, महेंद्र हार्डिया, गोपीकृष्ण नेमा, सुदर्शन गुप्ता, प्रदेश प्रवक्ता आलोक दुबे, खेल प्रकोष्ठ प्रदेश संयोजक मानसिंह यादव की उपस्थिति में सम्पन्न हुई। भाजपा नगर अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि 6 अप्रैल को भाजपा का स्थापना दिवस प्रत्येक मंडल और बूथ स्तर पर मनाया जाएगा। भाजपा सबसे बड़ा राजनैतिक दल होने का गौरव प्राप्त है, यहां तक पहुंचाने में हमारे लाखों कार्यकर्ताओं का त्याग और तपस्या है, उन सभी देवदुर्लभ कार्यकर्ताओं को नमन करते हुए भाजपा का स्थापना दिवस मनाया जाएगा।

परेशानी : उद्योगों पर संकट, हजारों रोजगार खतरे में, फैक्ट्रियों में शिफ्ट घटाकर एक कर दी गई

मिडिल इस्ट तनाव का इंदौर-पीथमपुर पर पड़ रहा बुरा असर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर और पीथमपुर के औद्योगिक क्षेत्रों पर अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव का सीधा असर दिखाई देने लगा है। फार्मा और प्लास्टिक जैसे प्रमुख सेक्टर कच्चे माल की भारी कमी और लागत बढ़ने के कारण गंभीर संकट में हैं। औद्योगिक संगठनों के अनुसार अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में 20 से 30 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हुई है, जबकि लॉजिस्टिक और शिपिंग लागत 5 गुना तक बढ़ चुकी है। इसका असर उत्पादन पर पड़ा है और कई फैक्ट्रियों में शिफ्ट घटाकर एक कर दी गई है।

पीथमपुर औद्योगिक संगठन के अध्यक्ष डॉ. गौतम कोठारी के मुताबिक प्लास्टिक उद्योग सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। कच्चे माल के दाम लगभग दोगुने हो गए हैं, जिससे पाइप, बोतल और पीवीसी उत्पाद बनाने वाली कई इकाइयां बंद हो चुकी हैं। गैस की 50 प्रतिशत तक कमी के कारण 100 से अधिक उद्योग प्रभावित हैं। इससे करीब 20 हजार लोगों का सीधा रोजगार खत्म हुआ है, जबकि 10 हजार लोग अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित हुए हैं और 25 हजार कर्मचारियों की सैलरी आधी हो गई है। मिडिल ईस्ट पर निर्भरता भी बड़ी चुनौती बन गई है। इंदौर के करीब 60 प्रतिशत उद्योग कच्चे माल के लिए बहरीन, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों पर निर्भर हैं। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में बढ़ते

तनाव के कारण सप्लाई बाधित हो रही है, जिससे चीन और यदि जल्द हालात सामान्य नहीं हुए, तो इंदौर और पीथमपुर के उद्योगों में बड़े पैमाने पर शटडाउन और आर्थिक संकट की आशंका जताई जा रही है।

यूरोप से आयात भी प्रभावित हुआ है। फार्मा सेक्टर में भी स्थिति चिंताजनक है। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट के महासचिव राजीव सिंघल के अनुसार कच्चे माल की कीमतों में 30 प्रतिशत तक उछाल आया है। पैरासिटामॉल पाउडर की कीमत 290 रुपये से बढ़कर 360 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है। गैस की कमी से इंजेक्शन उत्पादन प्रभावित हो रहा है और आने वाले 10-12 दिनों में दवाओं की सप्लाई पर बड़ा असर पड़ सकता है। निर्यात पर भी भारी दबाव है। कंटेनर भाड़ा 5 गुना तक बढ़ने से कांडला बंदरगाह और जवाहरलाल नेहरू पोर्ट ट्रस्ट तक माल भेजना महंगा हो गया है। इंदौर से प्रदेश के कुल निर्यात का 40 से 50 प्रतिशत हिस्सा जाता है, जिससे देरी और लागत बढ़ने का सीधा असर विदेशी ऑर्डर्स पर पड़ रहा है। ईंधन संकट ने स्थिति और गंभीर कर दी है। एलपीजी की कमी के कारण उद्योगों को पीएनजी पर निर्भर होना पड़ रहा है, वहीं गैस कंपनियों ने उधारी बंद कर नकद भुगतान की शर्त लागू कर दी है। इससे उद्योगों की कार्यशील पूंजी पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया है।

स्थिति के प्रमुख आंकड़े

- 20-30 प्रतिशत तक कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि।
- 5 गुना तक लॉजिस्टिक लागत बढ़ी।
- 10-15 प्रतिशत फैक्ट्रियां एक शिफ्ट पर आईं।
- 20.000 से अधिक रोजगार प्रभावित।

60 प्रतिशत कच्चा माल मिडिल ईस्ट पर निर्भर।

पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने 13376 करोड़ का राजस्व संग्रहण किया

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान 13376 करोड़ रूपए का नगद राजस्व संग्रहण किया। यह पिछले वित्तीय वर्ष से चार सौ करोड़ रूपए ज्यादा है। कंपनी के प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बताया कि ऊर्जामंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के निर्देश पर मार्च 2026 में राजस्व संग्रहण के लिए मालवा निमाड़ के इंदौर सहित 15 जिलों में बिजली देयकों की वसूली के लिए महा अभियान संचालित किया, मार्च के पहले दो सप्ताह में पांच से छः हजार एवं अंतिम सप्ताह में करीब 10 हजार कार्मिकों ने राजस्व जुटाने के लिए हर संभव कोशिश की। कार्मिकों ने उपभोक्ताओं के घर, दुकान, खेत, खलिहान, बाजार, हाट बाजार, पंचायत भवन इत्यादि तक पहुंचकर बिल राशि राजस्व रूप में जमा कराने के लिए विशेष प्रयास किए। इसी कारण मार्च में करीब तीस लाख उपभोक्ताओं से बिजली बिलों की वसूली की गई। यह करीब 1410 करोड़

रूपए रही। वित्तीय वर्ष 2025-26 के दौरान बारह माह का नकद राजस्व संग्रहण 13376 करोड़ रूपए रहा। प्रबंध निदेशक अनूप कुमार सिंह ने बिजली देयकों को जमा करने पर घरेलू उपभोक्ताओं, कृषि उपभोक्ताओं, व्यापारिक एवं औद्योगिक श्रेणी के उपभोक्ताओं का आभार माना है। सिंह ने कहा कि कंपनी गुणवत्तापूर्ण बिजली प्रदाय के लिए प्रतिबद्ध हैं एवं हजारों कार्मिक पंद्रह जिलों के उपभोक्ताओं की सेवा में समर्पित भाव से कार्य कर रहे हैं।

सत्तू कर रहे हेलीकॉप्टर से लेकर बैलगाड़ी तक की सवारी

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को भी घुमा रहे हेलीकॉप्टर में

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर ● दैनिक इंदौर संकेत

कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक सत्यनारायण पटेल इन दिनों चर्चा में हैं हेलीकॉप्टर से लेकर बैलगाड़ी तक की सवारी ने आम कार्यकर्ताओं का मन मोह लिया है। पटेल कांग्रेस के साथ-साथ अपने कार्यकर्ताओं के यहां भी हेलीकॉप्टर से जाते हैं तो कभी बैलगाड़ी से पटेल कल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय सुभाष यादव की पुण्यतिथि पर उनके निवास हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे लेकिन वहां जाने के बाद कार्यकर्ताओं के साथ बैलगाड़ी पर देखे गए कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल था सत्तू लगातार प्रदेश भर में दौरे कर रहे छोटे से बड़े कार्यकर्ता को भी अपने हेलीकॉप्टर में घुमा रहे जमीन से जुड़े कांग्रेस के लिए हमेशा संघर्ष करते रहे सत्तू आज कांग्रेस परिवार के लिए हर परिस्थिति में खड़े हैं जब-जब सत्तू को कांग्रेस ने पुकारा उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा इतना ही नहीं सत्तू खुद पायलट भी है समय-समय पर अपने हेलीकॉप्टर से कार्यक्रमों में पुष्प वर्षा भी करते हैं कहीं बार जरूरत पड़ने पर कांग्रेस के नेता भी सत्तू का हेलीकॉप्टर ले जाते हैं। इन दिनों सत्यनारायण पटेल का ध्यान देपालपुर विधानसभा में लगा है पंचायत समिति से लेकर

मंडल अध्यक्ष तक सत्तू और राधेश्याम का दम देखने को मिला जमीनी पकड़ मजबूती के साथ कार्यकर्ताओं में लगातार जोश भरने का काम पटेल परिवार कर रहा है विशाल पटेल के भाजपा में जाने के बाद पटेल परिवार ने ही कांग्रेस को संभाला। कार्यकर्ताओं का मनोबल नहीं टूटने दिया दोनों भाइयों ने मिलकर कार्यकर्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर साथ दिया है वर्तमान हालातो में भी सत्तू और राधेश्याम ने देपालपुर की जमीन नहीं छोड़ी वह अपने कार्यकर्ताओं को परिवार का सदस्य मानते हैं देपालपुर विधानसभा आज कांग्रेस के लिए मजबूत स्थिति में है इसका श्रेय सिर्फ पटेल परिवार को जाता है जिन्होंने हर परिस्थिति में कांग्रेस को जिंदा रखा गांधी भवन में हुई मीटिंग के दौरान प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी ने सत्तू की तारीफ कर कद बढ़ा दिया गांधी भवन मे सत्तू को जो तवज्जो मिली है वह कहीं कांग्रेसियों को रास नहीं आई क्योंकि देपालपुर विधानसभा में और भी कांग्रेसियों की नजर है लेकिन सूत्रों की मानो तो कांग्रेस को मजबूत नेता की जरूरत है ना की हवा बाज नेता की।

सज्जनों का बिखराव ही दुर्जनों की शक्ति : राष्ट्र संत गोविन्द देव गिरी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● लार्ड मेकाले की शिक्षा पद्धति को देश में लागू हुए 200 वर्ष 2036 में पूरे होने जा रहे हैं। इसके पहले हमें अंग्रेजों द्वारा थोपी गई गुलामी के चिन्हों को कैसे समाप्त किया जाए, इस पर विचार करना होगा। सज्जनों का बिखराव ही दुर्जनों की शक्ति होती है। जितने राष्ट्र प्रेमी लोग हैं उन्हें हम एकजुट कर लेंगे तो कारवां बढ़ता चला जाएगा और भारत माता एक बार फिर विश्व के सर्वोच्च सिंहासन पर विराजित हो सकेगी। भारत की भूमि ऋषि-मुनि परम्परा और सनातन संस्कृति की पोषक रही है। भारत माता को विधाता ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए ही

बनाया है और इसीलिए हम सबको मिलकर भारत को बलवान बनाने की जरूरत है। भारत बलवान होगा तभी विश्व में शांति की स्थापना होगी। महावीर स्वामी और हनुमान जयंती की संधि बेला में इंदौर में संस्था सार्थक ने आज जो आयोजन किया है, ऐसा सुंदर और प्रेरणादायी आयोजन मैंने पहली बार देखा है और वादा करता हूँ कि जहाँ-जहाँ भी जाऊंगा इस कार्यक्रम का जिक्र जरूर करूँगा कि वैदिक और श्रवण परम्परा को जोड़ने वाले इस आयोजन तथा इंदौर के उत्सवप्रेम से भी प्रेरणा जरूर लें।

क्राइम की खबरें

इंदौर क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई

फ्लैट बेचने के नाम पर 35 लाख की ठगी, महिला आरोपी गिरफ्तार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर क्राइम ब्रांच ने प्रॉपर्टी धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में कार्रवाई करते हुए एक महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। फ्लैट विक्रय और रजिस्ट्री के नाम पर करीब 35 लाख रुपए की ठगी करने वाले गिरोह की यह तीसरी गिरफ्तारी है।

इंदौर क्राइम ब्रांच ने फ्लैट बेचने के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने इस मामले में तीसरी आरोपी सायरा को गिरफ्तार किया है। इससे पहले इस प्रकरण में मोहित महाजन और निसार अली को गिरफ्तार किया जा चुका है। मामला फरियादी फैसल अहमद से जुड़ा है, जिनसे आरोपियों ने फ्लैट बेचने और रजिस्ट्री कराने के नाम पर करीब 35 लाख रुपए ठग लिए थे। आरोपियों ने पहले फ्लैट का सौदा तय किया और नगद व ऑनलाइन माध्यम से राशि प्राप्त कर ली, लेकिन बाद में रजिस्ट्री करने के नाम पर टालमटोल करते रहे। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने धोखाधड़ी करते हुए उसी फ्लैट की रजिस्ट्री किसी अन्य व्यक्ति के नाम कर दी, जिससे उन्होंने अवैध रूप से आर्थिक लाभ अर्जित किया। क्राइम ब्रांच के मुताबिक, आरोपी सायरा ने अपने साथियों के साथ मिलकर योजनाबद्ध तरीके से इस ठगी को अंजाम दिया। आरोपी ने पूछताछ में यह भी स्वीकार किया है कि उन्होंने अन्य लोगों के साथ भी इसी तरह की धोखाधड़ी की है, जिसकी जांच जारी है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है और रिमांड पर लेकर आगे की पूछताछ की जा रही है।

चार पहिया वाहन चोर, पुलिस थाना राजेन्द्रनगर द्वारा गिरफ्तार

आरोपी से चोरी की बोलेरो कार कीमती लरभग 8 लाख रुपये की गई बरामद

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर नगरीय क्षेत्र में चोरी/नकबजनी वाहन चोरी आदि के अपराधों पर नियंत्रण हेतु प्रभावी कार्यवाही के निर्देश पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर द्वारा दिए गए हैं। उक्त निर्देशों के अनुक्रम में पुलिस उपायुक्त जोन-1 कृष्ण लालचंदानी एंव अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त सुमित केरकेट्टा के मार्गदर्शन में सहायक पुलिस आयुक्त अनुभाग गांधीनगर श्रीमती निधि सक्सेना द्वारा दिये निर्देशानुसार कार्यवाही करते हुए पुलिस थाना राजेन्द्रनगर ने एक शातिर वाहन चोर को पकड़ा गया है।

पुलिस थाना राजेन्द्रनगर पर 18 मार्च को फरियादी संदीप जायसवाल ने अपनी बोलेरो कार क्रमांक एमपी 09.कर.6184 को अज्ञात बदमाश द्वारा रात्री के समय चोरी किये जाने के सम्बंधी रिपोर्ट दर्ज करवाई गई थी। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना राजेन्द्रनगर पर अपराध क्रमांक-55/2026 धारा 303(2) बीएनएस.2023 का कायम कर विवेचना में लिया गया। उक्त घटना पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन एंव मार्गदर्शन में अज्ञात वाहन चोर की पतारसी हेतु टीम गठित की गई।

गठित टीम द्वारा द्वारा घटना स्थल से प्रारंभ कर करीबन 200-300 सीसीटीवी कैमरे को देखा गया तथा सीसीटीव्ही कैमरे में अज्ञात के हुलिये के मुताबिक संदिग्धों की पतारसी हेतु मुखबिर तंत्र को मजबूत कर अज्ञात वाहन चोर की पतारसी की गई। लगातार कई सीसीटीव्ही कैमरे देखने के बाद चोरी गया वाहन सांईनाथ कालोनी केट रोड राऊ इंदौर के आसपास देखा गया। इसी क्रम में मुखबिर से सूचना मिली की पूर्व आभ्यासिक अपराधी विनोद ठाकुर उम्र 45 साल निवासी ओम साँई नाथ कालोनी केट रोड़ राऊ इन्दौर ने उक्त चोरी की घटना का अंजाम दिया है। मुखबिर सूचना एंव सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की जानकारी मिली की काफी दिनों से घर से गायब है तब आरोपी की लगातार पतारसी तलाश की गई एंव 1 अप्रैल को सीसीटीवी कैमरे एंव मुखबिर की सूचना के आधार पर पुष्टि होने पर विनोद ठाकुर अथक प्रयास कर पकड़कर, पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। आरोपी द्वारा पूछताछ के दौरान बोलेरो चोरी की घटना करना स्वीकार किया आरोपी द्वारा दिये गये मेमोरेण्डम के आधार पर आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया वाहन सफेद रंग की बोलेरो कार क्रमांक एमपी09.कर.6184 को जप्त किया गया।

बाणेश्वर कुंड में मजनू की धुलाई, बचाने आई लैला भी लपेटे में आई

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के बाणगंगा थाना क्षेत्र में बने बाणेश्वर कुंड पर 'लैला-मजनू' की पिटाई का वीडियो सामने आया है बाणेश्वर कुंड मंदिर परिसर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब श्रद्धालुओं ने एक युवक-युवती को आपत्तिजनक स्थिति में देखा। प्रत्यक्षदर्शियों का आरोप है कि ये दोनों पवित्र मर्यादाओं को ताक पर रखकर अश्लील हरकतें कर रहे थे। धार्मिक स्थल पर ऐसी 'हरकत' देखकर वहां मौजूद युवको ने मिलकर मजनू की जमकर पिटाई कर दी मारपीट का वीडियो

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि पब्लिक किस कदर भड़की हुई थी। जब युवती अपने साथी को बचाने आई, तो आक्रोशित भीड़ ने उसे भी नहीं बख्शा। मारपीट के दौरान लोग वीडियो बनाते रहे और आरोपियों को खूब खरी-खोटी सुनाई और जमकर लात घुसे बरसाए सूचना मिलने पर डायल-112 मौके पर पहुंची और दोनों को थाने ले गई। हालांकि, पुलिस का कहना है कि किसी भी पक्ष की ओर से लिखित शिकायत नहीं मिली है, इसलिए उन्हें हिदायत देकर छोड़ दिया गया।

पुरानी रंजिश के चलते कार में लगाई आग, सीसीटीवी फुटेज आए सामने

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर के लसूडिया थाना क्षेत्र के सिल्वर पार्क कॉलोनी में हुई आगजनी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। इस मामले में फरियादी सौरभ पाटोदिया की शिकायत पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में हर्षल गौड़, कृष्ण दामके और रोहित तंवर शामिल हैं। बताया जा रहा है कि फरियादी सौरभ पाटोदिया के साथ चल रहे पुराने विवाद के चलते आरोपियों ने घर और कार में पेट्रोल डालकर आग लगा दी थी। पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए घटना में इस्तेमाल की गई टाटा नेक्सन कार भी जब्त कर ली है।

आपराधिक गतिविधियों में लिप्त 14 शातिर बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक आदेश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इदौर नगरीय क्षेत्र मे अपराध व अपराधियों पर नियंत्रण एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने तथा आगामी त्योहारों को ध्यान में रखते हुए, पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर श्री संतोष कुमार सिंह के दिशा निर्देशन में इंदौर पुलिस द्वारा सक्रिय गुंडे बदमाशों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में पुलिस आयुक्त द्वारा संबंधित जोन के पुलिस अधिकारियों से प्राप्त प्रतिवेदन पर कार्यवाही करते हुए 05 कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर तथा 09 अन्य शातिर बदमाशो को थाना हाजरी के लिए निर्बन्धन आदेश जारी कर विभिन्न शर्तो के अधीन पाबंद किया गया है।

आदतन बदमाश जो कि आपराधिक प्रवृत्ति के होकर इनके द्वारा क्षेत्र में लगातार आपराधिक गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा था। इन अपराधियों के विरुध्द विभिन्न गंभीर धाराओं के कई अपराध शहर के विभिन्न थानों में पंजीबद्ध है। बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही के उपरांत भी इनके द्वारा लगातार अपराध कारित कर आम लोगो की शांति भंग कर क्षेत्र की लोक व्यवस्था भंग की जा रही थी।

उक्त बदमाशो की आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु बदमाशों के विरुद्ध म.प्र. राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत कार्यवाही हेतु इनके प्रकरणों के प्रतिवेदन को श्रीमान पुलिस आयुक्त नगरीय इन्दौर के समक्ष प्रस्तुत किया गया। उक्त प्रकरणों की जांच एवं विचारण उपरांत पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर संतोष कुमार सिंह द्वारा उक्त 05 बदमाशों- 1. मो.शादाब पिता मो आरीफ खान उम्र 29 साल निवासी 04 प्रकाश का बगीचा थाना रावजी बाजार इंदौर (अवधि - 03 माह)। 2. उज्जवल उर्फ चुचु पिता आनंद सिसोदिया उम्र 42 वर्ष निवासी 35/01 महेश यादव नगर थाना बाणगंगा इंदौर (अवधि - 06 माह)। 3. सुरेश पिता जगदीश बंजारा उम्र 32 साल निवासी 92 राहुल गांधी नगर थाना भवंरकुआ इंदौर (अवधि - 06 माह)। 4. राहुल उर्फ झटका पिता काशीराम मराठा उम्र 32 वर्ष निवासी 42/4 पंचमूर्ति नगर थाना चदंन नगर इंदौर (अवधि - 06 माह)। 5. अजय पिता अनिल जगताप उम्र 25 वर्ष निवासी नैनोद मल्टी गांधीनगर थाना गांधीनगर इंदौर (अवधि - 03 माह) । उक्त सभी 05 बदमाशों को निर्धारित अवधि के लिए जिला इंदौर (नगरीय एवं देहात) एवं उससे लगे सीमावर्ती जिलो की सीमाओं के लिये प्रतिबंधित करने हेतु जिलाबदर आदेश जारी किया गया है।

उक्त निर्बन्धन आदेश की शर्तों के तहत सभी 09 बदमाशों को- निर्धारित समय अवधि पर संबंधित थाने देना होगी हाजिरी। अवैधानिक गतिविधियों में नही रहेंगे संलिप्त। शहर में लोकशांति को भंग करने का नही करेंगे कोई कार्य, आदि प्रतिबंधात्मक शर्ते लगाई गई है। बदमाशो द्वारा उक्त निर्बन्धन आदेश की शर्तों का यदि उल्लंघन किया जाता है तो उसके विरुद्ध उचित वैधानिक कार्यवाही की जावेगी। उक्त प्रकरणों पर शासन की ओर से पैरवी एडीपीओ श्री अजय प्रताप बुंदेला द्वारा की गई।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, गुरुवार 02 अप्रैल 2026

न्यूज ब्रीफ

अग्रसेन प्रतिमा स्थल के निकट भव्य प्रवेश द्वार का शुभारंभ आज

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● नवलखा स्थित अग्रसेन प्रतिमा स्थल पर अग्रसेन यूथ क्लब द्वारा बालाजी सेवार्थ विनोद अग्रवाल फाउंडेशन एवं समाज के अन्य सहयोगी बंधुओं के सहयोग से बनवाए गए भव्य प्रवेश द्वार का शुभारंभ 2 अप्रैल को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, समाजसेवी एवं उद्योगपति विनोद अग्रवाल, सांसद शंकर लालवानी एवं महापौर पुष्यमित्र भार्गव के आतिथ्य में होगा। इस मौके पर क्षेत्र के विधायक गोलू शुक्ला, पूर्व विधायक आकाश विजयवर्गीय एवं क्षेत्र के पार्षद मृदुल अग्रवाल भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। प्रवेश द्वार निर्माण समिति के प्रमुख गोविन्द सिंघल, संजय बांकडा, राहुल गोयल बंटी एवं प्रयोग गर्ग ने बताया कि पिछले 3 वर्षों से चल रहा प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य अब पूरा हो चुका है। यातायात व्यवस्था को बाधित किए बिना यह प्रवेश द्वार बनाया गया है। 45 फीट ऊँचे और 165 फीट चौड़े इस प्रवेश द्वार पर दोनों ओर महाराजा अग्रसेन के 18 पुत्रों अर्थात 18 गौत्र के नाम और उनके 'एक रुपया-एक ईंट' के आदर्श सिद्धांत को प्रमुखता से उकेरा गया है।

दिक्षार्थी विनुषी भंडारी का दो दिवसीय अभिनन्दन समारोह कल से

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ●संयम के पथ पर अग्रसर होने जा रही शहर की उच्च शिक्षित, कम्पनी सेक्रेटरी एवं म्यूच्यूअल फंड मैनेजर का काम करने वाली बेटी विनुषी भंडारी का 2 दिवसीय अभिनन्दन समारोह 3-4 अप्रैल को होगा। शनिवार को सुबह रवीन्द्र नाट्य गृह में आयोजित अभिनन्दन समारोह में राज्य के कैबिनेट मंत्री चेतन कश्यप तथा देश भर के समाज बंधु भी शामिल होंगे। साधुमार्गी जैन समता संघ के अध्यक्ष पारस बोहरा एवं महामंत्री पिंकेश पगारिया ने बताया कि 3 अप्रैल को सुबह 9 बजे प.पू. आदित्य मुनि म.सा. आदिठाना एवं प.पू. साध्वी श्रीकांता श्रीजी म.सा. आदिठाना की निश्रा में यशवंत निवास रोड स्थित समता भवन पर मुमुक्षु विनुषी भंडारी की दीक्षा के उपलक्ष्य में समता प्रसादी एवं शाम 7.30 बजे रवीन्द्र नाट्यगृह में गुरु भक्ति एवं भजन संध्या के आयोजन होंगे। शनिवार 4 अप्रैल को सुबह 7 बजे जावरा कम्पाउंड स्थित लायंस क्लब के सभागृह में नवकारसी के पश्चात प्रातः 8.15 बजे उनके 142 जावरा कम्पाउंड स्थित निवास से बैंड बाजों सहित वरघोडा निकलेगा जिसमें वे एक खुले रजत रथ में विराजित होकर अपने संसारी जीवन में काम आने वाली गृहस्थी की सामग्री को लुटाते हुए चलेंगी।

डॉ. अम्बेडकर जयंती पर हो शराबबंदी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● महात्मा गाँधी जयंती की तरह डॉ. अम्बेडकर जयंती पर 14 अप्रैल को भी जिले में शराब की दुकाने बंद रखकर उसकी खरीदी-बिक्री-वितरण-परिवहन बंद रखा जाए। यह मांग करते हुए डॉ. अम्बेडकर युग सेवा समिति के मुरलीधर राहुल मेटांगे और रघुवीर मरमट ने बुधवार को इंदौर कलेक्टर के नाम एसडीएम घनश्याम धनगर और आबकारी सहायक आयुक्त अभिषेक तिवारी को एक ज्ञापन सौंपा। दोनों ने सहायक जिला आबकारी अधिकारी देवेश चतुर्वेदी से भी इस विषय पर चर्चा की।

यात्री सुविधा सर्वे में इंदौर एयरपोर्ट की बड़ी छलांग

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● देवी अहिल्याबाई होलकर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट ने वर्ष 2025 में शानदार उड़ान भरते यात्री सुविधाओं के मामले में देश में बड़ी छलांग लगाई है। यात्री सुविधा सर्वे में इंदौर एयरपोर्ट 10वें स्थान से सीधे तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। एयरपोर्ट्स काउंसिल इंटरनेशनल (एसीआई) द्वारा कराए गए एयरपोर्ट सर्विस क्वालिटी (एएसक्यू) सर्वे में इंदौर एयरपोर्ट को 5 में से 4.92 अंक मिले हैं, जबकि वर्ष 2024 में यह स्कोर 4.82 था और रैंक 10वीं थी। इस तरह एयरपोर्ट ने 0.10 अंकों की बढ़त के साथ 7 पायदान ऊपर चढ़ते हुए टॉप-3 में जगह बनाई है। यह सर्वे भारत के 16 और एशिया-पेसिफिक के 18 देशों के 98 एयरपोर्ट पर किया जाता है, जहां सालाना 18 लाख से ज्यादा यात्री आते हैं। सर्वे में एयरपोर्ट पर आने-जाने वाले यात्रियों से 31 अलग-अलग मानकों पर फीडबैक लिया जाता है।

इनमें साफ-सफाई, पार्किंग, स्टाफ व्यवहार, शॉपिंग और खान-पान जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इंदौर एयरपोर्ट ने इस बार 31 में से 30 बिंदुओं पर पिछले साल से बेहतर प्रदर्शन किया, सिर्फ पासपोर्ट

स्टाफ व्यवहार में थोड़ी गिरावट दर्ज हुई। एयरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मग्गीरवार को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के 31वें वार्षिक दिवस पर सम्मानित भी किया गया। एयरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मग्गीरवार को एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया के 31वें वार्षिक दिवस पर सम्मानित भी किया गया। एयरपोर्ट डायरेक्टर सुनील मग्गीरवार ने कहा कि यह उपलब्धि सही दिशा में किए जा रहे प्रयासों का परिणाम है और हमारा लक्ष्य है कि वर्ष 2026 में इंदौर एयरपोर्ट देश ही नहीं, दुनिया में भी पहला स्थान हासिल करे। वहीं, एयरपोर्ट के प्रवक्ता रामस्वरूप यादव के अनुसार यात्रियों को बेहतर सुविधा देने के लिए लगातार काम किया जा रहा है।

परिषद से जुड़ी संस्थाओं को नर्सरी प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला इंदौर द्वारा आयोजित किया गया नवांकुर संस्थाओं हेतु बैठक सह प्रशिक्षण कार्यक्रम। स्थानीय उद्यानिकी विभाग द्वारा संचालित नर्सरी में परिषद द्वारा नवांकुर योजना अंतर्गत चयनित संस्थाओं के प्रतिनिधियों का एकदिवसीय नर्सरी हेतु प्रशिक्षण किया गया जिसके अंतर्गत नर्सरी हेतु जगह की उपयुक्तता तथा बीजों से पौधे बनाने की प्रक्रिया मिट्टी तैयार करना थैलिया को रखने हेतु बेड तैयार करना एवं कलम ग्राफ्टिंग बडिंग आदि का प्रशिक्षण उद्यानिकी उद्यानिकी विभाग के नर्सरी प्रबंधक अनिल मंडलोई एवं गोविंद डावर द्वारा दिया गया। इस अवसर पर संभाग समन्वय अमित शाह का मार्गदर्शन भी प्राप्त हुआ, उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण के माध्यम से संस्थाओं को आवंटित सेक्टर में नर्सरी का संचालन बहुत सुगमता से किया जा सकेगा एवं सेक्टर की समस्त नामांकुर सखियों के लिए पौधों की उपलब्धता पर्याप्त रहेगी साथ ही नर्सरी आपके सेक्टर का एक ऐसा केंद्र बन जाएगा जहां पर विभिन्न प्रकार की बैठकों एवं विजिट का प्रावधान हो सकेगा। परिषद की इंदौर इकाई से जिला समन्वयक एवं विकासखंड समन्वयक, नव अंकुर संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

मिठाई व आतिशबाजी कर मनाया जश्न लंबे समय से था शराब दुकान का विरोध

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● एमआईसी सदस्य व पार्षद मनीष मामा का शराब दुकान हटाने प्रयास हुआ पूर्ण हो गया है। दरअसल साजन नगर स्थित देशी और अंग्रेजी शराब दुकान सघन रहवासी क्षेत्र में स्थित थी खुल्ले में शराब पीने वालों की वज़ह से महिलाएं को सड़क से निकलने में काफी परेशानी होती हैं क्षेत्रों तथा में काफी रोष था व शराबियों की जमघट की वजह से परेशानी का कारण थी। इस संबंध में एम आई सी सदस्य मनीष मामा द्वारा जिलाधीश से पत्राचार कर दुकान हटाने का आग्रह किया गया था। नए वित्तीय वर्ष में अब यह शराब दुकान साजन नगर से चितावद क्षेत्र स्थानांतरित कर दी गई है। शराब दुकान हटाने के इस निर्णय के बाद बुधवार को मामा की अगुवाई में साजन नगर पुरानी शराब दुकान के बाहर मिठाई वितरण और आतिशबाजी कर जश्न मनाया। इस मौके पर बड़ी

संख्या में महिलाएं, रहवासी और क्षेत्र के स्टूडेंट मौजूद थे। क्षेत्र के रहवासियों ने मुख्यमंत्री मोहन यादव, मंत्री कैलाश विजयवर्गीय महापौर पुष्प मित्र भार्गव विधायक गोलू शुक्ला को धन्यवाद दिया।

साँवेर नगर परिषद को दो करोड़ से अधिक के विकास कार्यो की स्वीकृती मिली

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट एवं नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेड़िया की माँगो पर लगी मोहर साँवेर विधानसभा की एक मात्र नगर परिषद क्षेत्र में कैबिनेट जलसंसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट की अगुआई में नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेड़िया ने भोपाल में माननीय मुख्यमंत्री मध्य प्रदेश शासन डॉ मोहन यादव को करोड़ों के विकास कार्यो का माँग पत्र सौपा था। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने प्राप्त कर संबधित विभागों को अग्रेषित किया था जिस पर मुख्यमंत्री नगरीय क्षेत्र अधोसंरचना अंतर्गत साँवेर नगर परिषद क्षेत्र में वार्ड 4 कान्हा नदी पुलिया के पास रिटेनिंग वाल पेवर ब्लॉक,वार्ड 7 में पछाड़ भैरव मंदिर सीसी रोड़ पेवर ब्लॉक सौंदर्यकरण, वार्ड 6 में माँ चामुंडा माता मंदिर पहुंच मार्ग पेवर ब्लॉक व गार्डन सौंदर्यकरण, वार्ड 3 स्व माधवराव सिंधिया गार्डन सीसी रोड़ पेवर ब्लॉक,वार्ड 15 केशरीपुरा श्मशान घाट सीसी स्लैब रिटेनिग वाल निर्माण,लाला खेड़ा श्मशान पहुंच मार्ग निर्माण, छत्रीबाग सांवेर श्मशान पर नदी घाट निर्माण कार्य लगभग दो करोड़ से भी अधिक राशि की स्वीकृती मिली मांग पर स्वीकृती प्रदान करने पर नगर परिषद अध्यक्ष संदीप चंगेड़िया ने मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव एवं कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट का आभार व्यक्त किया ।

किचन का बजट बिगड़ा, बिजली महंगी व महंगाई के खिलाफ कांग्रेस का जन जागरण अभियान चलाया जाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी के कार्यवाहक अध्यक्ष देवेंद्र सिंह यादव ने बताया है की आम जनता महंगाई से त्रस्त है जहां बिजली दूध घरेलू एवं कमर्शियल गैस टंकी मकान की रजिस्ट्री मकान बनाना एवं निर्माण करना डीजल पैट्रोल टौल ट्रांसपोर्ट स्कूल की फीस कॉपी किताब पूजन सामग्री एवं बस किराया सब हुआ महंगा इन साहित अन्य सभी मुद्दों को लेकर इंदौर शहर कांग्रेस कमेटी एवं मध्य प्रदेश राजीव विकास केंद्र द्वारा चरणबद्ध जन जागरण अभियान चलाया जाएगा और आम जनता के बीच जाकर भारतीय जनता पार्टी की केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार की कथनी-करनी करने का अंतर आमजनता के बीच जाकर बताया जाएगा। आपने कहा है की स्मार्ट मीटर पहले से ही बिजली के बिल ज्यादा आ रहे हैं वहीं बिजली उपभोक्ताओं को महंगाई का करेंट लगा दिया गया है बिजली के बिल अब बढ़कर आएंगे बिजली की औसत 4/8% प्रतिशत महंगी हो गई है वहीं रसोई का बजट बढ़ गया है दूध के दाम के साथ ही घरेलू सामग्री मंहगी हो गई है कमर्शियल सिलेंडर एवं घरेलू सिलेंडर महंगा होने के साथ ही होटल रेस्टोरेंट और में सभी खान-पान की चीजों पर आम जनता पर असर पड़ेगा वहीं साथ ही घर की जमीन खरीदने एवं मकान खरीदने पर रजिस्ट्रेशन खर्च महंगा पड़ेगा वहीं मकान निर्माण भी करना महंगा हो गया है साथ ही भगवान की पूजन सामग्री भी महंगी खरीदना पड़ेगी नया वाहन खरीदने भी महंगा पड़ेगा वही घरेलू गैस सिलेंडर की कालाबजारी एवं आम जनता के साथ ही किसानों व्यापारियों से जुड़े मुद्दों को लेकर अलग-अलग शासकीय कार्यालयों पर ज्ञापन दिये जाएंगे।

श्री मज्जजिनेन्द्र पंचकल्याणक महामहोत्सव का घटयात्रा से शुभारंभ

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● श्री चंद्रप्रभु जिनालय मल्हारगंज के जिनबिंब पंचकल्याणक महोत्सव का भव्य शुभारंभ श्रीविध्यासमय कुल गोरव परम पूज्य मुनिश्री 108 विमलसागर मुनि श्री अनंत सागर महाराज ससंघ के मंगलमय सनिध्य मे प्रभु आज्ञा,गुरू आज्ञा, के साथ मंगलमय घटयात्रा 3 अप्रैल को तीर्थ स्वरूप श्री आदिनाथ जिनालय छत्रपति नगर से प्रारंभ हो कर कार्यक्रम स्थल दलाल बाग जायेगी धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू एवं ट्रस्ट अध्यक्ष राजेश लारेल ने कहा कि दलालबाग पर विधि विधान के अनुसार मण्डप शुद्धि, वेदी शुद्धि पश्चात महामहोत्सव सानिध्य

प्रदाता मुनिश्री संसघ की मंगल देशना होगी। महोत्सव अध्यक्ष राजीव जैन बंटी, राजु अलबेला अखिलेश सोधीया भरतेश बड़कुल विपुल बाझलं ने सभी समाजजन से विनम्र निवेदन करते हुए कहा कि महामहोत्सव की मंगल घटयात्रा में पधार कर पुण्य का संचाय करे।

राम मंदिर जमीन विवाद पर बढ़ा आक्रोश, संघर्ष समिति ने मंत्री को सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सांवेर में रेस्ट हाउस के सामने स्थित राम मंदिर की जमीन को लेकर विवाद लगातार गहराता जा रहा है। इस मामले को लेकर श्री राम मंदिर संघर्ष समिति, सांवेर ने आज तुलसीराम सिलावट (केबिनेट मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक) से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। समिति ने आरोप लगाया कि संबंधित जमीन के रिकॉर्ड एवं नक्शों में कथित गड़बड़ी कर स्थिति बदलने का प्रयास किया गया है। इसे गंभीर मामला बताते हुए समिति ने पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि जिन लोगों द्वारा कथित रूप से गलत दस्तावेज तैयार किए गए हैं।

सनातन धर्म की रक्षा के लिए दशनाम गोस्वामी समाज का गौरवशाली इतिहास रहा : सत्तन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सनातन धर्म की रक्षा के लिए दशनाम गोस्वामी समाज का गौरवशाली इतिहास रहा, आदि शंकराचार्य द्वारा हिंदू धर्म के पुनरुत्थान के लिए की गई से जुड़ा है। आदि गुरु शंकराचार्य ने सनातन धर्म की रक्षा के लिए शैव संन्यासियों को संगठित कर चार मठों की स्थापना की 12 ज्योतिर्लिंग की पुनर्स्थापना शिव संप्रदाय के साथ अखाड़े संन्यासियों की पहचान हैं। समाज के लोग साधना, ज्ञान, भक्ति, कर्म और त्याग के मार्ग पर चलते हुए धर्म और समाज की सेवा करते हैं। सनातन काल में जब पहले आर्मी की तरह नागा साधुओं की फौज हुआ करती थी,बड़े-बड़े राजा महाराजा मुगलों अंग्रेजों के आक्रमण के समय मठ पर जाकर इन अखाड़ों की फौजी की मदद ली जाती थी जिससे सनातन धर्म की धर्म ध्वजा फिर से लहराई है। यह बाते राष्ट्र कवि पंडित सत्यनारायण सत्तन ने अखिल भारतीय दसनाम गोस्वामी समाज युवा शाखा इंदौर द्वारा टोरी कार्नर मल्हारगंज पर आयोजित समरसता महाआरती में संबोधित करते हुए कही। युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष कमलपुरी गोस्वामी महंत महेश गिरी, ने बताया कि आदिगुरु शंकराचार्य जी की जन्म जयंती के डेढ़ महीने पहले से 21 स्थानों पर समरसता महाआरती का आयोजन किया जा है अभी 12 स्थानों पर महाआरती हो चुकी है। युवा शक्ति और महिला सशक्तिकरण हो, ऊर्जावान बच्चे-युवा शिक्षित हो, दसनामियों का गौरव संपूर्ण हिंदू समाज में हो और आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा सनातन संस्कृति और दशनामियों की गौरवशाली परंपरा आदि गुरु शंकराचार्य जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए अखिल भारतीय दसनाम गोस्वामी समाज युवा शाखा इंदौर द्वारा टोरी कार्नर मल्हारगंज पर समरसता महाआरती का आयोजन किया। मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रकवि सत्यनारायण सत्तन, वरिष्ठ समाजसेवी प्रिंसिपल टोंगिया, बंजारा समाज के अविनाश हार्डिया,भूपेंद्र गिरि, सहित अन्य मौजूद थे।

पितृरेश्वर हनुमान जी फूलों से सजेंगे, धूमधाम से मनेगा जन्मोत्सव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● पितृ पर्वत स्थित पितृरेश्वर हनुमान धाम में हनुमान जयंती के अवसर पर 2 अप्रैल को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनेगा। पितृरेश्वर हनुमान जी फूलों से सजेंगे, महाआरती होगी। हजारों भक्त सम्मिलित होंगे। धाम प्रमुख आकाश विजयवर्गीय,महेश दलोद्रा ने बताया कि पितृरेश्वर हनुमान धाम में भगवान का वेद मंत्रों के बीच आचार्य पंडितों की उपस्थिति में षोडशोपचार पूजन अभिषेक होगा उसके भगवान पितृरेश्वर का विशेष श्रृंगार होगा दरबार मोगरा गुलाब सहित अनेक किस्म के फूलों से सजेगा, दिनभर दर्शन होंगे। शाम 5 बजे महाप्रसादी वितरण होगा फिर शाम को 7 बजे महाआरती होगी, साधु संत भी सम्मिलित होंगे।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

देश के छोटे शहरों में वायु प्रदूषण का बढ़ता खतरा, निगरानी तंत्र की कमी ने बढ़ाई चिंता

वायु प्रदूषण केवल महानगरों और बड़े शहरों की समस्या नहीं है, छोटे शहर भी इससे प्रभावित हैं। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से यह दावा किया जाता है कि प्रदूषण को कम करने के लिए हरसंभव कदम उठाए जा रहे हैं। देश भर में वायु गुणवत्ता का पता लगाने के लिए निगरानी केंद्र बनाए जाने की बात कही जाती है, मगर हकीकत यह है कि देश के करीब चालीस फीसद जिलों में अब तक निगरानी केंद्र स्थापित नहीं हो पाए हैं। ऐसे में जब यह पता ही नहीं चल पाएगा कि हवा में प्रदूषण का स्तर कितना है, तो उसे कम करने के प्रयास भी सिर्फ कागजों तक ही सीमित रहेंगे। वैश्विक कंपनी 'एअरवाइस' की ओर से बीते मंगलवार को जारी एक अध्ययन रपट में बताया गया है कि कई शहरों और कस्बों में लोगों को अपने आसपास फैल रहे प्रदूषण के बारे में वास्तविक जानकारी ही नहीं मिल पाती है, जिस कारण उनके स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ रहा है। गौरतलब है कि मुंबई, दिल्ली और बंगलुरु जैसे बड़े शहरों में तो वायु प्रदूषण पर कड़ी निगरानी रखी जाती है, लेकिन इस मामले में छोटे शहरों और कस्बों की आज भी अनदेखी की जा रही है। निगरानी केंद्र होने का एक फायदा यह है कि इससे आम लोगों को हवा में प्रदूषक तत्त्वों के स्तर की स्टीक जानकारी नियमित रूप से मिलती रहती है। ऐसे में सरकार और स्थानीय प्रशासन की ओर से उठाए जाने वाले कदमों के साथ-साथ लोग खुद भी सतर्क रहते हैं और मास्क लगाने तथा जरूरत पड़ने पर ही घरों से बाहर निकलने जैसे उपायों को प्राथमिकता देते हैं। मगर जब लोगों को इसकी सही जानकारी ही नहीं मिलेगी, तो वे इस तरह की सावधानी कैसे बरतेंगे। यह बात भी सामने आई है कि कुछ जिलों में निगरानी केंद्र तो हैं, लेकिन वे सही तरीके से काम नहीं कर रहे हैं। सरकार को चाहिए कि देश के तमाम शहरों में वायु गुणवत्ता को मापने के लिए माकूल तकनीकी व्यवस्था की जाए और निगरानी केंद्रों के उचित रख-रखाव के लिए संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाए।

एआई का उदय, इंसानों का पतन: ऑरेकल से शुरू हुई खामोश क्रांति

- कॉर्पोरेट दुनिया का नया सच: इंसान खर्च है, मशीन निवेश
- टुडे इज़ योर लास्ट वर्किंग डे – एआई युग का सबसे निर्मम वाक्य

जिस दिन तलवारें चलती हैं, लोग चीख उठते हैं। जिस दिन गोलियां बरसती हैं, दुनिया उसे सुर्खियां बना देती है। लेकिन जब किसी देश के बारह हजार सपनों को खामोशी में दफना दिया जाए, तब कोई शोर नहीं उठता। न सायरन बजता है, न सड़कें रुकती हैं। बस मोबाइल स्क्रीन जलती है, इनबॉक्स खुलता है और कुछ ठंडे शब्द मेहनत, भरोसे और भविष्य को एक पल में राख कर देते हैं—टुडे इज़ योर लास्ट वर्किंग डे। ऑरेकल ने भारत में लगभग 12,000 कर्मचारियों को एक झटके में बाहर कर दिया। 31 मार्च 2026 की सुबह ठीक छह बजे बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे के हजारों घरों में उस सुबह चाय के कप हाथों में ही ठहर गए। जो लोग रात तक खुद को सुरक्षित मान रहे थे, वे सुबह बेरोज़गार थे। यह सिर्फ नौकरी जाने की घटना नहीं थी। यह उस नए दौर का ऐलान था, जिसमें मशीनें आगे बढ़ रही हैं और इंसान पीछे धकेले जा रहे हैं।

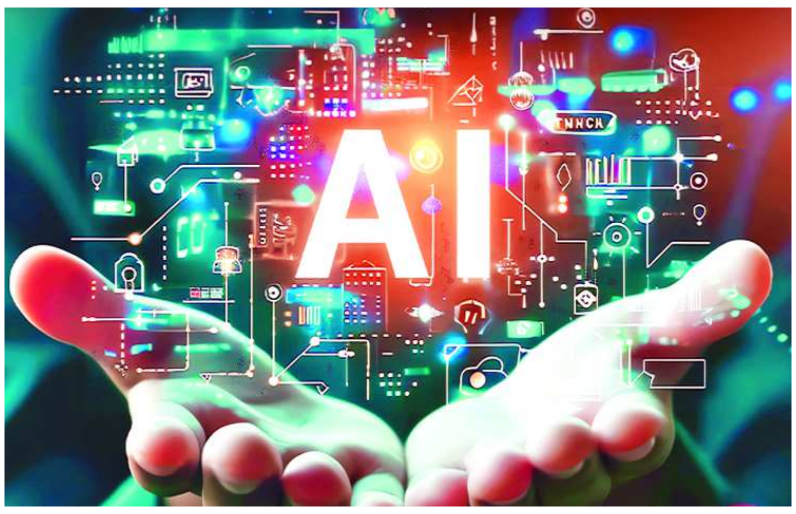

ऑरेकल की भारत में कुल कार्यशक्ति लगभग 30,000 थी। उनमें से 40 प्रतिशत से अधिक लोगों को हटाना किसी सामान्य पुनर्गठन का हिस्सा नहीं कहा जा सकता। इसके पीछे साफ आर्थिक गणित है। कंपनी इस समय एआई आधारित डेटा सेंटर, क्लाउड ऑटोमेशन और जेनरेटिव सिस्टम्स पर लगभग 156 अरब डॉलर लगा रही है। इतनी बड़ी पूंजी जुटाने का सबसे आसान रास्ता लागत घटाना है, और वैश्विक कंपनियों के लिए भारत हमेशा सबसे सस्ता, सबसे अधिक इस्तेमाल होने वाला श्रम बाजार रहा है। इसलिए अमेरिका या यूरोप की तुलना में भारत में छंटनी करना उन्हें कम महंगा पड़ता है। यानी जिन भारतीय इंजीनियरों ने वर्षों तक कंपनी के लिए अरबों डॉलर कमाए, वही सबसे पहले बलि चढ़ गए।

इस छंटनी की सबसे बड़ी वजह केवल लागत घटाना नहीं, बल्कि तकनीक का बदलता चेहरा भी है। पहले एक बड़े प्रोजेक्ट के लिए सैकड़ों इंजीनियरों की जरूरत होती थी। कोई कोड लिखता था, कोई टेस्टिंग करता था, कोई डेटाबेस संभालता था, कोई रिपोर्ट बनाता था। कंपनी अब एआई डेटा सेंटर और क्लाउड ऑटोमेशन पर भारी निवेश कर रही है, जिससे कई दोहराए जाने वाले और रूटीन कार्यों में कम लोगों की जरूरत पड़ रही है। जेनरेटिव एआई कोड लिखने, टेस्टिंग और रिपोर्टिंग जैसे कामों को तेज़ कर रहा है, लेकिन छंटनी का मुख्य कारण विशाल एआई इंफ्रास्ट्रक्चर के खर्च के लिए कैश फ्लो जुटाना है। यही वजह है कि ऑरेकल जैसी कंपनियां कर्मचारियों को खर्च और एआई को निवेश मानने लगी हैं।

इन आंकड़ों के पीछे दबी सच्चाई कहीं अधिक भयावह और निर्मम है। बारह हजार कर्मचारियों की छंटनी केवल एक आंकड़ा नहीं, बारह हजार परिवारों पर टूटा हुआ संकट है। किसी ने हाल ही में घर खरीदा था और हर महीने भारी ईएमआई देनी थी। किसी के बच्चे का दाखिला बड़े स्कूल में हुआ था। कोई बूढ़े माता-पिता की दवाइयों और इलाज का सहारा था। पुणे का एक इंजीनियर, जो दस साल से कंपनी में था, सुबह रोज़ की तरह लॉग-इन करने बैठा, लेकिन उसका सिस्टम एक्सेस बंद था। कुछ ही मिनटों में उसे समझ आ गया कि जिस कंपनी को उसने अपनी जवानी और मेहनत दी, उसी ने उसे एक ईमेल में खत्म कर दिया। कॉर्पोरेट दुनिया में वफादारी की कीमत अब शायद एक पासवर्ड से भी कम रह गई है।

सबसे खतरनाक बात यह है कि यह पूरी तबाही लगभग खामोशी में हुई। न सड़कों पर प्रदर्शन हुआ, न बड़ी बहस, न टीवी चैनलों पर लगातार चर्चा। लोग चुपचाप अपना रिज्यूमे अपडेट करते रहे, लिंक्डइन पर 'ओपन टू वर्क' लिखते रहे और परिवार से छिपाते रहे कि उनकी दुनिया बदल चुकी है। यही वजह है कि इसे साइलेंट टेक रिवोल्यूशन कहा जा रहा है। यह ऐसी क्रांति नहीं है जिसमें कारखाने बंद दिखें या भीड़ सड़क पर उतर आए। यह वह क्रांति है जो बंद कमरे में, लैपटॉप स्क्रीन पर और एक क्लिक के साथ इंसान को सिस्टम से बाहर कर देती है। बाहर सब सामान्य दिखता है, लेकिन भीतर हजारों ज़िंदगियां टूट रही होती हैं।

यह सिर्फ ऑरेकल की कहानी नहीं है। गूगल, माइक्रोसॉफ्ट, अमेजन और दूसरी बड़ी टेक कंपनियां भी तेजी से उसी दिशा में बढ़ रही हैं। वे लगातार ऐसे एआई सिस्टम बना रही हैं जो इंसानों का काम घटा सकें। भारत की आईटी इंडस्ट्री वर्षों से आउटसोर्सिंग मॉडल पर टिकी रही। विदेशी कंपनियां यहां इसलिए आईं क्योंकि भारतीय इंजीनियर कम पैसे में ज्यादा काम करते थे। लेकिन अब वही कंपनियां मशीनों को भारतीय इंजीनियरों से भी सस्ता और तेज़ मानने लगी हैं। भारत हर साल लाखों इंजीनियर तैयार करता है, लेकिन उनमें से अधिकतर को वही कौशल सिखाए जाते हैं जो आसानी से ऑटोमेट हो सकते हैं। अगर शिक्षा और उद्योग का यही मॉडल चलता रहा, तो आने वाले वर्षों में डिग्रियां बढ़ेंगी, लेकिन नौकरियां घटती जाएंगी।

यही वह क्षण है जब भारत को अपनी सोच बदलनी होगी। हमें सिर्फ कोड लिखने वाले तकनीकी मजदूर नहीं, तकनीक बनाने वाला राष्ट्र बनना होगा। अगर भारतीय युवा केवल पुराने सॉफ्टवेयर और दोहराए जाने वाले काम सीखते रहेंगे, तो एआई उन्हें धीरे-धीरे अप्रासंगिक बना देगा। लेकिन अगर वही युवा मशीन लर्निंग, एआई रिसर्च, रोबोटिक्स, साइबर सुरक्षा, चिप डिजाइन और डेटा साइंस जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ें, तो वे इस बदलाव के शिकार नहीं, उसके निर्माता बन सकते हैं। सरकार को भी केवल 'स्किल इंडिया' का नारा नहीं देना चाहिए। अब समय 'एआई इंडिया' की वास्तविक नीति बनाने का है, जिसमें कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और प्रशिक्षण संस्थानों को पूरी तरह बदला जाए।

ऑरेकल की यह छंटनी एक कठोर लेकिन जरूरी सच सामने लाती है—भविष्य में नौकरी नहीं, केवल कौशल सुरक्षित होंगे। अब किसी कंपनी के साथ वर्षों की वफादारी आपको नहीं बचा सकती। आपको हर कुछ वर्षों में खुद को बदलना होगा, नई तकनीक सीखनी होगी और मशीन से आगे सोचने की क्षमता बनानी होगी। बारह हजार सपनों का यह डिजिटल कत्लेआम सिर्फ एक खबर नहीं, आने वाले समय की चेतावनी है। अगर भारत ने इस चेतावनी को नहीं समझा, तो अगली बार संख्या और बड़ी हो सकती है। लेकिन अगर हम इस दर्द को सबक बना लें, तो वही भारत, जिसे आज एआई से डराया जा रहा है, कल एआई की दुनिया का नेतृत्व कर सकता है।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्, बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

जनगणना का तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, फील्ड ट्रेनरों को डिजिटल डेटा के गुर सिखाए जा रहे

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● जनगणना 2027 के प्रथम चरण (मकान सूचीकरण) को डिजिटल रूप से संपन्न करने के लिए तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में नगर निगम के एमआईसी हॉल में फील्ड ट्रेनर्स का तीन दिवसीय जिला स्तरीय प्रशिक्षण 1 से 3 अप्रैल तक शुरू हो गया है। इस प्रशिक्षण में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा फील्ड ट्रेनर्स को मोबाइल ऐप के उपयोग, मकान सूचीकरण प्रक्रिया और डेटा सुरक्षा के संबंध में जानकारी दी जा रही है। यह प्रशिक्षण प्रोजेक्टर के माध्यम से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जनगणना के प्रथम चरण की तैयारियों और प्रक्रिया को समझाया जा रहा है। अपर कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ सृजन वर्मा ने बताया कि फील्ड ट्रेनर्स को मोबाइल ऐप का उपयोग करने, मकानों की नंबरिंग करने, एचएलओ फॉर्म भरने और डेटा सत्यापन की विस्तृत जानकारी दी जा रही है। वर्मा ने आगे बताया कि डिजिटल जनगणना के तहत प्रगणक और पर्यवेक्षक डिजिटल माध्यम से डेटा संकलित करेंगे। इसके लिए फील्ड ट्रेनर्स को तकनीकी रूप से सक्षम बनाया जा रहा है। यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद, ये ट्रेनर तहसील और ब्लॉक स्तर पर प्रगणकों को प्रशिक्षित करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान जिला जनगणना अधिकारी एवं निगम आयुक्त संदीप श्रीवास्तव ने जनगणना के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से देश की जनसंख्या, आवासीय स्थिति तथा सामाजिक-आर्थिक आंकड़ों का सटीक आकलन किया जाता है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से पूरी निष्ठा, पारदर्शिता और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने का आग्रह किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर डॉ. दीपक शाह, सुदर्शन शेट्टी और लूसिया रावत द्वारा प्रतिभागियों को मकान सूचीकरण, मकानों की गणना और फील्ड स्तर पर किए जाने वाले कार्यों के संबंध में विस्तृत प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, जनगणना निदेशालय से आए विनय श्रीवास्तव ने भी जनगणना 2027 के विभिन्न पहलुओं, प्रक्रिया और तकनीकी बिंदुओं को विस्तार से समझाया और प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

राज्यपाल का संभावित दौरा कल, शुरू की तैयारियां

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● 4 अप्रैल को प्रदेश के राज्यपाल मंगूभाई पटेल के संभावित दौरे को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। हालांकि अभी तक जिला प्रशासन को उनके आगमन का आधिकारिक कार्यक्रम प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन प्रस्तावित दौरे को देखते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि राज्यपाल का सनावद रोड स्थित एक निजी अस्पताल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के लिए शहर आएंगे। इसे ध्यान में रखते हुए संबंधित क्षेत्र में तैयारियों का काम बुधवार से शुरू कर दिया गया है। अस्पताल तक पहुंचने वाले मार्ग को व्यवस्थित करने के लिए नपा सुधार रही हैं। वहीं प्रशासनिक अमला भी अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने में जुटा हुआ है, ताकि दौरे के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न हो।

बीएमओ व बीपीएम का वेतन कटेगा, दो एएनएम निलंबित

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने बुधवार को पंधाना में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने डॉक्टरों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए कि गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण और प्रसवपूर्व जांच निर्धारित समय पर अनिवार्य रूप से की जाए। समीक्षा में लापरवाही सामने आने पर कलेक्टर ने सख्त कार्रवाई करते हुए पंधाना के बीएमओ डॉ. अनिल तंतवार और बीपीएम पीएस डावर का एक-एक माह का वेतन काटने के निर्देश दिए। वहीं ग्राम आरूद की एएनएम रेशमा पांजरे और पंधाना शहर की एएनएम अनिता गोलकर को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. ओपी जुगतावत, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कौशल, डीपीएम शैलेंद्र सोलंकी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि गर्भावस्था के दौरान प्रत्येक महिला का कम से कम 4 बार स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए और इसकी जानकारी विभागीय पोर्टल पर दर्ज हो। यदि किसी महिला में स्वास्थ्य समस्या पाई जाती है तो उसे ब्लॉक या जिला अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टर से इलाज दिलाया जाए। उन्होंने एनीमिया से ग्रस्त गर्भवती महिलाओं के मामलों में विशेष सावधानी बरतने को कहा और मातृ मृत्यु दर व शिशु मृत्यु दर कम करने के लिए गंभीर प्रयास करने के निर्देश दिए।

रेलवे ने भीलटदेव मंदिर पर चलवाया बुलडोजर, मूर्ति उखाड़कर टंकी में फेंकी

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● रेलवे प्रशासन ने अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान भीलटदेव मंदिर तोड़ दिया। मंदिर तोड़ने से पहले मूर्ति को उखाड़कर पानी की टंकी में फेंक दिया। तोड़ने और फेंकने के वीडियो सामने आए। स्थानीय लोगों में आक्रोश है। मामला सूरजकुंड क्षेत्र का है। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू जागरण मंच के संयोजक माधव झा सहित कई लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने कार्रवाई का विरोध जताया। उनका आरोप है कि रेलवे की जमीन पर बने अन्य धार्मिक ढांचों, जैसे चर्च और दरगाह, पर कार्रवाई नहीं हो रही, जबकि मंदिर को निशाना बनाया गया। वहीं हिंदू संगठन के नेता डॉ. अनीस अरझरे ने सोशल मीडिया पर लिखा कि खंडवा को पाकिस्तान बना दिया गया है। मंदिरों को टारगेट किया जा रहा है। मंदिर और आसपास का बस्ती क्षेत्र करीब 40 साल पुराना है। पिछले 9 दिनों से लगातार कार्रवाई चल रही है। जानकारी के मुताबिक, बुधवार को खंडवा में दो अलग-अलग जगहों पर मंदिर तोड़े जाने की बात सामने आई। सुबह नागचून रोड और शाम को रेलवे की कार्रवाई में भीलटदेव मंदिर तोड़े जाने का दावा किया गया। कहासुनी के बीच तय किया गया कि पहले चर्च और दरगाह तोड़ी जाएगी, उसके बाद बाकी अतिक्रमण हटाया जाएगा।

नेपा मिल ठेकाकर्मी प्रशासनिक भवन पहुंचे, 4.5 माह का वेतन और ठेकेदारी प्रथा खत्म करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

बुरहानपुर● अखबारी कागज मिल नेपा लिमिटेड के ठेकाकर्मी बुधवार दोपहर मिल के प्रशासनिक भवन पहुंचे। उन्होंने मिल अधिकारियों से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया। ठेकाकर्मियों ने एक निजी सिक्योरिटी सर्विस में किए गए कार्य के 4.5 महीने के वेतन का भुगतान कराने और ठेकेदारी पद्धति को समाप्त करने की मांग की। कर्मचारियों ने शिकायत में बताया कि उन्होंने 18 जून 2023 से एक निजी सिक्योरिटी सर्विसेज के माध्यम से सेवाएं देना शुरू किया था। 1 अगस्त से 30 दिसंबर तक की 4.5 महीने की सैलरी उन्हें अब तक नहीं मिली है। इससे पहले भी, 18 जून 2022 से एक अन्य सिक्योरिटी सर्विसेज में काम करने के दौरान का पीएफ और बोनस भी उन्हें आज तक प्राप्त नहीं हुआ है। इसकी सूचना संबंधित विभाग को दी गई थी, लेकिन केवल आश्वासन ही मिला।

इसके अतिरिक्त, 17 जून 2021 में एक और सिक्योरिटी सर्विस में दी गई सेवाओं का 18 दिन का बकाया वेतन भी अब तक नहीं मिला है। बकाया राशि के लिए लगातार संपर्क और लिखित आवेदन दिए गए, लेकिन कोई उचित जवाब नहीं मिला। ठेकाकर्मियों ने कहा कि वे पिछले 4-5 वर्षों से लगातार इन ठेकेदारों के अधीन काम कर रहे हैं, लेकिन उन्हें उनका हक नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि उन्हें संविदा आधार पर या कलेक्टर रेट पर रखा जाए, ताकि उनका और उनके बच्चों का भविष्य सुरक्षित हो सके। कर्मचारियों ने मिल प्रबंधन को विश्वास दिलाया कि जिस प्रकार उन्होंने कंपनी का साथ दिया है, उसी प्रकार वे नेपा लिमिटेड को फिर से शुरू करने में पूरा सहयोग देंगे।

निगम बजट में हंगामा, 883 करोड़ का प्रस्ताव पारित, विपक्ष का बहिष्कार और प्रदर्शन

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● नगर निगम के सभागृह में बुधवार को साल 2026-27 का बजट सम्मेलन हुआ। 883 करोड़ 51 लाख 55 हजार रुपए का बजट प्रस्ताव पारित किया गया। खास बात रही कि इस दौरान अधिकांश विपक्षी नेता सदन के बाहर रहे। सम्मेलन के दौरान विपक्ष ने सूरजकुंड क्षेत्र से हटाए गए परिवारों का नेतृत्व किया। इसी को लेकर निगम परिसर में घंटों तक विरोध प्रदर्शन चला। इसके लिए मजिस्ट्रेट स्तर पर 3 तहसीलदार, कोतवाली थाने का पूरा फोर्स तैनात रहा। बजट सम्मेलन के दौरान नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर ने सूरजकुंड क्षेत्र के रहवासियों के साथ नारेबाजी की। उन्होंने लोगों को मुआवजा देने सहित अन्य मांगे रखीं। हंगामे को देख पुलिस फोर्स की तैनाती की गई। समझाइश के बीच पुलिस और विपक्ष के बीच तनातनी हो गई। वहीं इसी दौरान सत्ता पक्ष के लोग विकास कार्यों के बैनर लेकर पहुंच गए और विपक्षी पर जवाबी हमले की कोशिश करने लगे। हालांकि, लंच टाइम होते ही मामले को शांत कर लिया गया। सदन में प्रश्नकाल के दौरान बीजेपी पार्षद रामगोपाल शर्मा ने पेयजल सप्लाई के कार्य में ठेकेदार के मजदूर की मौत का मामला उठाया। इस पर निगम अधिकारी ने जवाब दिया कि मामला ठेकेदार का है, इसमें निगम का कोई लेना देना नहीं है। मौत करंट से हुई है या नहीं, इस बारे में मेडिकल रिपोर्ट तक नहीं आई है। वहीं इस केस की जांच विद्युत सुरक्षा विभाग और पुलिस कर रही है। लेकिन पार्षद शर्मा काफी देर तक अपने सवाल पर अड़े रहे। प्रश्नकाल के दौरान नेता प्रतिपक्ष मुल्लू राठौर कुछ देर के लिए सदन से बाहर चले गए। फिर उनका सवाल आया तो वे लौटकर आए।

आईपीएल : केकेआर और सनराइजर्स जीत के इरादे से उतरेंगे

कोलकाता (एजेंसी) • कोलकाता नाइट राइडर्स आईपीएल 2026 के छठे मैच में दो अप्रैल को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद का सामना करेगी। यह मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। इस मैच में अजिंक्य रहाणे कोलकाता की कप्तानी करेंगे, जबकि ईशान किशन हैदराबाद के कप्तान होंगे। दोनों ही टीमें अपने पिछले मैचों में हार का सामना करके आ रही हैं। आईपीएल के पहले मैच में रॉयल चैलेंजर्स बंगलुरु ने चिन्नास्वामी स्टेडियम में हैदराबाद को हराया था। वहीं दूसरी ओर, कोलकाता को वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। अब दोनों ही टीमें इस टूर्नामेंट में अपनी पहली जीत दर्ज करने की कोशिश करेंगी। दोनों टीमों में शानदार खिलाड़ी मौजूद हैं और आप ईशान किशन, फिन एलन, कैमरन ग्रीन और अभिषेक शर्मा जैसे खिलाड़ियों से बेहतरीन प्रदर्शन की उम्मीद कर सकते हैं। कोलकाता और हैदराबाद के बीच के हेड-टू-हेड रिकॉर्ड से एक मजबूत ट्रेंड सामने आता है।

कोलकाता नाइट राइडर्स ने 30 में से 20 मैच जीते हैं, जबकि सनराइजर्स हैदराबाद ने सिर्फ 10 मैच जीते हैं। इससे साफ पता चलता है कि ऐतिहासिक रूप से कोलकाता का पलड़ा भारी रहा है, लेकिन मैच का अनुमान सिर्फ इतिहास के आधार पर नहीं लगाया जाता; हालिया प्रदर्शन ज्यादा मायने रखता है। ईडन गार्डन्स में देर शाम ओस पड़ने के आसार हो सकते हैं और कप्तान इस बारे में जरूर सोच रहे होंगे। कई कप्तान पहले गेंदबाजी करना और लाइट्स की रोशनी में लक्ष्य का पीछा करना पसंद करेंगे, खासकर तब, जब आउटफील्ड पर गेंद फिसलती हो। टॉस एक रणनीतिक फैसला होगा, लेकिन उसके बाद का खेल ज्यादा अहम होगा। जो टीमें हालात को जल्दी समझकर अपनी रणनीति में बदलाव करेंगी, वही जीतेंगी।

बीसीसीआई ने भारतीय टीम के जिम्बाब्वे दौरे का कार्यक्रम जारी किया

हराने। (एजेंसी) • जिम्बाब्वे क्रिकेट (जेडसी) ने बुधवार को पुष्टि की है कि भारत की पुरुष क्रिकेट टीम तीन टी-20 मैचों की सीरीज के लिए दौरे पर आएगी। ये मैच 23, 25 और 26 जुलाई को होने हैं और ये हरारे में खेले जाएंगे। भारतीय टीम आखिरी बार 2024 में पांच टी-20 मैचों के लिए जिम्बाब्वे का दौरा किया था, जब शुभमन गिल ने एक नए टी-20 विश्व कप चक्र की शुरुआत में एक युवा टीम की कप्तानी की थी। भारत पहला टी-20 हार गया था, लेकिन उसके बाद उसने सीरीज 4-1 से जीत ली थी। जिम्बाब्वे क्रिकेट के प्रबंध निदेशक गिवमोर माकोनी ने कहा, 'भारत के खिलाफ मैच हमेशा बहुत अधिक दिलचस्पी पैदा करते हैं और यह हमारे खिलाड़ियों के लिए अपनी धरती पर विश्व चैंपियन के खिलाफ खुद को परखने का एक शानदार मौका है।आईसीसी पुरुष टी-20 विश्व कप में हमारे उत्साहजनक प्रदर्शन के बाद, यह सीरीज हमें गति बनाने और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक प्रतिस्पर्धी ताकत के रूप में आगे बढ़ते रहने के लिए एक मजबूत मंच देती है।' जनवरी 2027 में जिम्बाब्वे के भारत दौरे की भी पुष्टि हुई, जिसकी घोषणा भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पहले ही अपने 2026-27 के घरेलू सीजन के हिस्से के रूप में कर दी थी। जिम्बाब्वे कोलकाता में तीन जनवरी, हैदराबाद में छह जनवरी और मुंबई में नौ जनवरी को एकदिवसीय मैच खेलेगा। माकोनी ने कहा, 'दो दशकों से भी ज़्यादा समय के बाद एक द्विपक्षीय एकदिवसीय सीरीज के लिए फिर से भारत का दौरा करना जिम्बाब्वे के लिए एक ऐतिहासिक पल है। भारत विश्व क्रिकेट के प्रमुख स्थलों में से एक है और यह दौरा हमारे खिलाड़ियों के लिए एक सम्मान और एक कीमती मौका है।

गुनिका ने बेंगलुरु में जीता राष्ट्रीय पैरा ताइक्वांडो में स्वर्ण

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर •बेंगलुरु में हुई 4th राष्ट्रीय पैरा ताइक्वांडो स्पर्धा में इंदौर की गुनिका शर्मा ने शानदार प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। अब वे एशियन पैरा ताइक्वांडो स्पर्धा हेतु भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। साहस और सटीकता की बदौलत गुनिका शर्मा ने नेशनल पैरा ताइक्वांडो में स्वर्ण हासिल किया। मात्र तीन वर्ष की आयु में 'मेड्युलोब्लास्टोमा' (ब्रेन ट्यूमर) जैसी दुर्लभ बीमारी से जूझने वाली द मिलेनियम इंदौर की पूर्व छात्रा गुनिका शर्मा ने अपनी अटूट इच्छाशक्ति से इतिहास रच दिया है। 2009 के उस कठिन दौर के बाद, जहां उनके जीवित रहने की संभावना बेहद कम थी, गुनिका ने 55 प्रतिशत शारीरिक अक्षमता और पूर्ण 'हार्मोन रिप्लेसमेंट थेरेपी' (HRT) जैसी चुनौतियों को पार करते हुए खुद को एक उत्कृष्ट एथलीट बनाया। नेशनल पैरा ताइक्वांडो चैंपियनशिप के P-35 पूमसे इवेंट में उन्होंने अपनी तकनीक, संतुलन और एकाग्रता का ऐसा शानदार प्रदर्शन किया कि निर्णायकों को प्रभावित करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। गुनिका ने अपनी शारीरिक सीमाओं और रीढ़ की हड्डी की विकृति के बावजूद मैट पर जो सटीकता दिखाई, वह उनकी वर्षों की मेहनत और अनुशासन का परिणाम है। उन्होंने साबित कर दिया कि पूमसे की हर मुद्रा में उनकी वही दृढ़ता झलकती है जिसने कभी कैंसर को मात दी थी। यह जीत न केवल उनके लिए एक व्यक्तिगत उपलब्धि है, उन्हें एशियन चैंपियनशिप के बड़े मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने का गौरव भी दिलाएगी। उनकी यह सफलता उन सभी के लिए एक जीवंत संदेश है कि मानसिक शक्ति के आगे कोई भी शारीरिक बाधा टिक नहीं सकती।

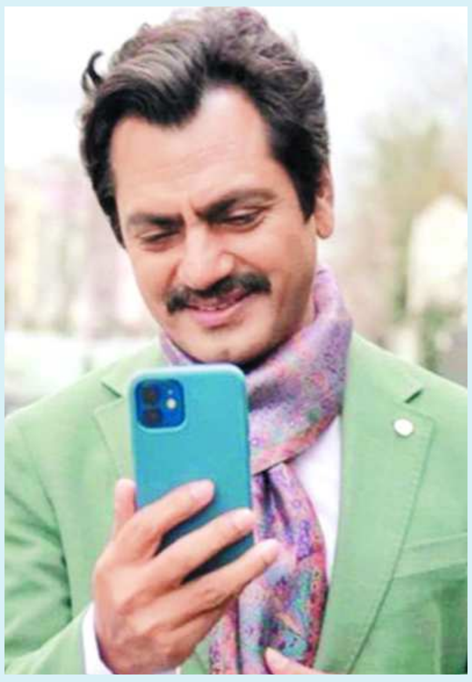

भारत में रिलीज़ हो रही है नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी की फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूं'

मुंबई (एजेंसी) • नवाज़ुद्दीन सिद्दीकी के लिए हर किरदार एक नई ज़िंदगी जीने का मौका होता है। उनकी आगामी फिल्म 'मैं एक्टर नहीं हूँ' 8 मई 2026 को भारतीय सिनेमाघरों में रिलीज़ होने जा रही है, जिसमें एक बार फिर उन्होंने एक ऐसा किरदार निभाया है जिसने उन्हें भावनाओं के एक बिल्कुल नए पहलू को समझने का अवसर दिया। अपने किरदार 'अदनान' के बारे में बात करते हुए नवाज़ुद्दीन ने कहा, 'अदनान का किरदार मेरे बाकी किरदारों से काफी अलग है क्योंकि इसमें मैं एक रिटायर्ड व्यक्ति की भूमिका निभा रहा हूँ। इस फिल्म और आदित्य की इस कहानी के ज़रिए मैंने उस उम्र के अनुभव को महसूस किया, जो मेरे पास पहले नहीं था।' उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग प्रक्रिया को भी बेहद खास बताया। 'हम 3म3 की छोटी फोन स्क्रीन पर इमोशन्स को महसूस कर रहे थे और उन्हें परफॉर्म कर रहे थे। मैंने पहले कभी ऐसा अनुभव नहीं किया,' उन्होंने कहा, यह बताते हुए कि फिल्म का फॉर्मेट उनके लिए एक नई चुनौती था। 'कहा जाता है कि एक अभिनेता होने का सबसे अच्छा पहलू यह है कि हम एक ही जीवन में कई ज़िंदगियाँ जीते हैं। मुझे नहीं पता था कि रिटायर होने के बाद एक व्यक्ति की ज़िंदगी कैसी होती है। लेकिन इस फिल्म के ज़रिए मुझे यह समझ आया कि रिटायरमेंट के बाद किस तरह की चिंता, डिप्रेशन और अन्य भावनाएँ मन में आती हैं। एक अभिनेता के तौर पर यह अनुभव मेरे लिए बेहद खास रहा।'

फिल्म 'आचारी बा' महिला सशक्तीकरण की प्रेरणादायक कहानी : हेमा मालिनी

मुंबई (एजेंसी) • एक कार्यक्रम के अभिनेत्री हेमा मालिनी ने नीना गुप्ता स्टारर फिल्म आचारी बा की खुलकर तारीफ की है और लोगों से इसे देखने की अपील भी की है। सोशल मीडिया के जरिए अपनी प्रतिक्रिया साझा करते हुए अभिनेत्री ने फिल्म को महिला सशक्तीकरण और दृढ़ संकल्प की एक शानदार मिसाल बताया। उन्होंने इंस्टाग्राम पर फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा कि यह एक दिल छू लेने वाली कहानी है, जिसमें एक महिला के संघर्ष और आत्मनिर्भरता को बेहद सरल और प्रभावशाली तरीके से दिखाया गया है। उन्होंने फिल्म की पूरी टीम को शुभकामनाएं देते हुए खासतौर पर नीना गुप्ता के अभिनय की तारीफ की। हेमा मालिनी ने अपने पोस्ट में यह भी कहा कि फिल्म में नीना गुप्ता का प्रदर्शन बेहद शानदार है और उनके साथ नजर आने वाला गोल्डन रिट्रीवर भी कहानी में खास आकर्षण जोड़ता है। उन्होंने दर्शकों से अपील की कि इस तरह की प्रेरणादायक फिल्मों को जरूर देखना चाहिए। फिल्म की कहानी एक साधारण मध्यवर्गीय महिला आचारी बा के इर्द-गिर्द घूमती है, जो गांव में आचार बनाकर अपना गुजारा करती है। उनका बेटा मुंबई में रहता है, लेकिन उनसे दूरी बनाए रखता है। एक दिन वह अपनी मां को शहर ले आता है, जहां आचारी बा को पता चलता है कि उन्हें घर में कुत्ते की देखभाल के लिए बुलाया गया है। इसी दौरान सोशल मीडिया के जरिए आचारी बा की जिंदगी बदलती है और वह धीरे-धीरे लोकप्रिय हो जाती हैं। अंतत: वह एक कुकिंग प्रतियोगिता जीतकर अपनी पहचान बना लेती हैं।

उज्जैन संभाग

कनाडा में मर्डर के 21 दिन बाद पहुंचेगा शव, आज अहमदाबाद के रास्ते आएगा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •उज्जैन निवासी गुरकीरत सिंह मनोचा का पार्थिव शरीर 21 दिन बाद भारत लाया जा रहा है। 14 मार्च को कनाडा में हुई हत्या के बाद अब 2 अप्रैल को शव अहमदाबाद और 3 अप्रैल को उज्जैन पहुंचेगा, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। मनोचा के पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। शव वैंकूवर से दिल्ली होते हुए 2 अप्रैल की रात करीब 9 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचेगा, जहां कस्टम और दस्तावेजी कार्रवाई के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा। अहमदाबाद से एम्बुलेंस के जरिए 3 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे पार्थिव शरीर को पार्श्वनाथ सिटी, देवास रोड स्थित निवास लाया जाएगा। यहां अंतिम दर्शन और अरदास के बाद शव यात्रा निकाली जाएगी।

शव यात्रा पार्श्वनाथ सिटी से देवास रोड, संजीवनी हॉस्पिटल चौराहा, फ्रीगंज स्थित सुख सागर गुरुद्वारा साहिब, टावर चौक, चामुंडा माता मंदिर, आगर रोड, मंगलनाथ मार्ग, पीपलीनाका होते हुए चक्रतीर्थ श्मशान घाट पहुंचेगी, जहां अंतिम

संस्कार होगा। रास्ते में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा श्रद्धांजलि दी जाएगी।

परिजनों ने पार्थिव शरीर को भारत लाने में मध्यप्रदेश सरकार, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, भारत सरकार, विदेश मंत्रालय, भारतीय दूतावास और स्थानीय प्रशासन के सहयोग के लिए आभार जताया है। उज्जैन के स्टूडेंट को कनाडा में कार चढ़ाकर मार डाला:कॉलेज के 10-12 छात्रों ने आपसी रंजिश में पीटा मध्य प्रदेश के उज्जैन के एक छात्र की कनाडा में कॉलेज के छात्रों ने हत्या कर दी। 10-12 युवकों ने पहले छात्र की पिटाई की, फिर उस पर गाड़ी चढ़ा दी। छात्र को गंभीर चोटें आई थीं। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। वारदात 14 मार्च को फोर्ट सेंट जॉन शहर में हुई।

सड़क चौड़ीकरण के विरोध में प्रदर्शन, रहवासी बोले- मकान तोड़ने से पहले विकल्प दें

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • सड़क चौड़ीकरण के विरोध में सरस्वती नगर के रहवासियों ने नगर निगम पहुंचकर प्रदर्शन किया। एम.आर. 4 रोड स्थित कॉलोनी के बड़ी संख्या में लोग, जिनमें महिलाएं और बुजुर्ग भी शामिल थे। बुधवार को निगम गेट सभी इकट्?ठा हुए फिर रहवासियों ने हाथों में तख्तियां लेकर 'हमारे घर मत तोड़ो, न्याय करो' की मांग उठाई और नगर निगम में आवेदन भी सौंपा।

रहवासियों ने बताया कि 2018 में कॉलोनी का नियमितीकरण टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की एनओसी के आधार पर किया गया था। उस समय 45 मीटर चौड़ी सड़क का प्रावधान रखा गया था, साथ ही कॉलोनी की सीमा सुरक्षित रखने की बात कही गई थी।

रहवासियों के अनुसार, अब विकास योजना 2035 के तहत सड़क चौड़ीकरण में कुछ मकानों को बाधक बताया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सेंटर लाइन के आधार पर असंतुलित तरीके से कार्रवाई की जा रही है।

करीब 50 मकानों पर असर की आशंका

रहवासी वर्षा रामगोपाल पथरिया ने बताया कि नोटिस मिलने के बाद

परिवारों में तनाव बढ़ गया है। करीब 50 मकान इस योजना से प्रभावित हो सकते हैं और लोगों के सामने रहने का संकट खड़ा हो सकता है। दिलीप सिंह जादौन ने कहा कि क्षेत्र में वर्षों से खाली पड़ी जमीन को छोड़कर उनके मकानों को तोड़ा जा रहा है।

उन्होंने कहा कि वे मजदूरी करने वाले लोग हैं और बेघर होने पर जीवन यापन मुश्किल हो जाएगा। डॉ. एम.एस. पंवार ने मांग की कि चौड़ीकरण के लिए सामने की खाली जमीन का उपयोग किया जाए। उन्होंने कहा कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आगे आंदोलन किया जाएगा।

अमृतसर के राष्ट्रीय नाट्य समारोह में उज्जैन के रंगकर्मी शर्मा सम्मानित

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • अमृतसर में मंच रंगमंच की ओर से आयोजित 26वें राष्ट्रीय नाट्य समारोह में उज्जैन के वरिष्ठ रंगकर्मी शरद शर्मा को स्व. गुरुशरण सिंह की स्मृति में स्थापित थियेटर कमिटमेंट नेशनल अवार्ड से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सम्मान प्रदान करते हुए मंच रंगमंच के निदेशक केवल धालीवाल ने कहा कि शर्मा को कोर्ट मार्शल, लहरों के राजहंस और आषाढ़ का एक दिन जैसे नाटकों ने विशेष पहचान दिलाई। सम्मान के तहत शरद को शाल, श्रीफल और 21,000 रुपए राशि प्रदान की गई।

कर्नाटक के राज्यपाल के पोते के खिलाफ शिकायत, सीएम हेल्पलाइन डेटा वाला सीपीयू ले गया

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन • जिले के नागदा स्थित सिविल अस्पताल से सीएम हेल्पलाइन डेटा वाला सीपीयू ले जाने के मामले में अब आधिकारिक शिकायत दर्ज कराई गई है। अस्पताल के बीएमओ डॉ. शिवराज कौशल ने थाना बिरलाग्राम में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गेहलोत के पोते मनीष गेहलोत के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं। इससे पहले सामने आए सीसीटीवी फुटेज में मनीष गेहलोत के सीपीयू ले जाते हुए दिखने का दावा किया गया था। बाद में सीपीयू अस्पताल में वापस रख दिया गया था। उस समय अस्पताल प्रशासन ने चुप्पी साध ली थी और बीएमओ ने खुद को अवकाश पर बताया था, जबकि पुलिस ने शिकायत नहीं मिलने की बात कही थी। डॉ. कौशल ने शिकायत में कहा कि 25 मार्च 2026 को दोपहर 3 से 4 बजे के बीच मनीष गेहलोत 4-5 साथियों के साथ सिविल अस्पताल नागदा में जबरन घुसा और विभागीय कंप्यूटर का सीपीयू कक्ष से उठाकर ले गया। शिकायत के अनुसार, रोकने का प्रयास करने पर मनीष ने डॉ. कौशल के साथ मारपीट की। साथ ही उन्हें, उनके परिवार को जान से मारने और पत्नी को उठवाने तक की धमकी दी गई बुधवार को डॉ. कौशल द्वारा दिया गया शिकायत पत्र सोशल मीडिया पर भी सामने आया, जिसमें मनीष गेहलोत के खिलाफ कई गंभीर आरोप दर्ज हैं।

मरीजों को निजी अस्पताल भेजने का दबाव

आवेदन में आरोप लगाया गया है कि मनीष गेहलोत, जो खुद को अविघ्न हॉस्पिटल का संचालक बताता है, शासकीय अस्पताल के मरीजों और प्रसूताओं को आशा कार्यकर्ताओं के माध्यम से अपने अस्पताल में रेफर कराने का दबाव बना रहा था। डॉ. कौशल के मुताबिक, निजी अस्पताल में मरीज भेजने और प्राइवेट क्लिनिक बंद कराने में सहयोग न करने पर दुर्भावना रखते हुए इस घटना को अंजाम दिया गया।

महाकालेश्वर मंदिर में 3 अप्रैल से जलाभिषेक, अधिकमास के कारण 3 माह तक चलेगी व्यवस्था

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन •श्री महाकालेश्वर मंदिर में भगवान महाकाल पर निरंतर जलधारा अर्पित करने की विशेष व्यवस्था 3 अप्रैल से शुरू हो रही है। यह जलाभिषेक वैशाख कृष्ण प्रतिपदा से ज्येष्ठ पूर्णिमा (29 जून) तक चलेगा। इस वर्ष अधिकमास होने के कारण इसकी अवधि एक माह और बढ़ जाएगी, जिससे यह व्यवस्था लगभग तीन माह तक जारी रहेगी। परंपरा के अनुसार, भगवान महाकाल पर गलंतिका के माध्यम से जल अर्पित किया जाएगा। इसके लिए 11 मिट्टी के कलशों में गंगा, सिंधु, सरस्वती, यमुना, गोदावरी, नर्मदा, कावेरी, सरयू, क्षिप्रा और गण्डकी जैसी पवित्र नदियों का स्मरण कर जल स्थापित किया जाएगा। मंत्रोच्चार के साथ यह जल निरंतर भगवान को चढ़ाया जाएगा। यह जलाभिषेक प्रतिदिन प्रात: भस्म आरती के बाद शुरू होकर सायंकालीन पूजन तक जारी रहेगा। मंदिर प्रशासन के अनुसार, यह व्यवस्था सुबह 6 बजे से शाम 5 बजे तक संचालित होगी। भीषण गर्मी में भगवान महाकाल को शीतलता प्रदान करने के उद्देश्य से यह परंपरा निभाई जाती है, जिसमें रजत अभिषेक पात्र के साथ इन कलशों से गलंतिका बांधी जाती है।

दलीलों से बचा 56 का सौंदर्य : वाहनों की एंट्री रोकने का फैसला सही

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर स्मार्ट सिटी की 56 दुकान की खासियत यह है यहां एक-एक इंच जगह सोने की तरह कीमती है जहां एक ही जगह पर हर तरह के व्यंजन का व्यापार, शॉपिंग का सामान और परिवार और दोस्तों के साथ मनोरंजन का माहौल बना रहता है इसी मनोरंजन के माहौल के साथ आम जनता को 56 दुकान तक उचित पहुंच और अन्य जरूरी सुविधा देने की जवाबदारी भी निगम की है मगर इस जवाबदारी को निभाने में एडवोकेट कमल ऐरन की दलीलों ने बड़ी भूमिका निभाई है या साफ शब्दों में कहें तो वकील साहब के मजबूत और सटीक दलीलों ने ही 56 के सौंदर्य को बचा लिया और 56 दुकान से जुड़े बहुचर्चित प्रकरण में इंदौर नगर निगम को बड़ी सफलता दिलाई। पूरे केस में उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए हालिया निर्णय में निगम के पक्ष को सही ठहराते हुए जनहित में उठाए गए कदमों को न्यायोचित माना गया है।

एडवोकेट कमल ऐरन की दलीलों से मुख्य प्रवेश अवरुद्ध होने और पार्किंग क्षेत्र में अतिक्रमण का मुद्दा खत्म हो गया *- माननीय उच्च न्यायालय के समस्त प्रस्तुत अपील की सुनवाई के दौरान 3डी गूगल मैप और फोटोग्राफ्स तथा नक्शों के आधार पर, यह देखा गया कि टॉयलेट्स नगर निगम द्वारा एमओएस क्षेत्र में बनाए गए हैं। निगम को निर्देश दिया गया कि यह स्पष्ट करें कि भूमि 'वन सेंटर' की है या यह सरकारी भूमि है। निगम को यह भी समझाने के लिए निर्देश दिया गया कि फ्लोरिस्ट्स बिना किसी स्थान आवंटन के कैसे कब्जे में हैं और ऐसी अवैध अतिक्रमणों के कारण भवन 'वन सेंटर' की बेसमेंट के प्रवेश बिंदु को क्यों रोका गया है।*

पूरे मामले में निगम की ओर से प्रभावी पैरवी करते हुए अधिवक्ता कमल ऐरन ने न केवल तथ्यों को मजबूती से प्रस्तुत किया, बल्कि शहर के यातायात प्रबंधन और सार्वजनिक सुविधा से जुड़े पहलुओं को भी न्यायालय के समक्ष स्पष्ट किया। वकील साहब की सूझबूझ और कानूनी दक्षता के चलते न्यायालय ने यह माना कि 56 दुकान क्षेत्र में बैरिकेडिंग एवं यातायात नियंत्रण का निर्णय व्यापक जनहित में लिया गया था।

मालूम हो कि पहले 56 दुकान के आसपास की यातायात की स्थिति आज की तरह सुव्यवस्थित नहीं थी जिससे आम नागरिकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। निगम द्वारा किए गए सुधारात्मक प्रयासों से न केवल यातायात व्यवस्था बेहतर हुई है, बल्कि क्षेत्र की सुंदरता और सुविधा में भी वृद्धि हुई है।

निगम के अधिवक्ता ने न्यायालय में यह भी स्पष्ट किया कि भवन तक पहुंच के वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हैं तथा पार्किंग की व्यवस्था भी सुचारु रूप से संचालित की जा सकती है। न्यायालय द्वारा नियुक्त आयुक्त की रिपोर्ट ने भी इन तथ्यों की पुष्टि की, जिससे निगम का पक्ष और मजबूत हुआ। शहर के नागरिकों एवं व्यापारियों ने भी इस निर्णय का स्वागत किया है। उनका मानना है कि निगम द्वारा किए गए प्रयास शहर के समग्र विकास और सुगम यातायात व्यवस्था के लिए अत्यंत आवश्यक थे। इस निर्णय से यह स्पष्ट हो गया है कि जब प्रशासनिक निर्णय जनहित में और ठोस आधार पर लिए जाते हैं, तो न्यायपालिका भी उन्हें समर्थन प्रदान करती है। निगम के अधिवक्ता की सराहनीय पैरवी ने एक बार फिर यह सिद्ध कर दिया है कि सक्षम कानूनी प्रतिनिधित्व किसी भी मामले की दिशा बदल सकता है।

कोर्ट के आदेश के अनुपालन में, निगम ने विस्तृत उत्तर दाखिल किया, वि.ए. सं. 2703/2026 के तहत यह कहा कि एमओएस क्षेत्र की आस-पास से फूलों के ठेले हटा दिए गए हैं और जहाँ तक एमओएस क्षेत्र में शौचालय के निर्माण की बात है, यह बताया गया कि कुल एमओएस क्षेत्र 23 मीटर है, जिसमें से 9 मीटर पर सार्वजनिक शौचालय बनाया गया है जो की 56 दुकानों के दुकानदारों, आगंतुकों आदि के उपयोग के लिए है और अपीलार्थी के भवन 'वन सेंटर' के एमओएस क्षेत्र में नहीं है। आयुक्त की रिपोर्ट और निगम द्वारा प्रस्तुत स्पष्टीकरण और एडवोकेट कमल ऐरन की दलीलों ने यह साबित किया कि पब्लिक टॉयलेट भवन 'वन सेंटर' के बेसमेंट पार्किंग में पहुँचने में कोई अवरोध नहीं है।

पक्की दुकानें हटी, पब्लिक टायलेट बचा

गौरतलब है कि वन सेंटर नाम की इमारत की साइट योजना को नगर निगम द्वारा वर्ष 1995 में मंजूर किया गया था और इसे बाद में संशोधित भी किया गया। आज के समय यह इमारत एक बड़ा बाजार है। अपील में अपीलार्थीगण ने एमजी रोड की ओर से आने वाले वाहनों की पहुंच इमारत तक नहीं होने के कारण दुकानदारों को आर्थिक नुकसान होने का हवाला भी दिया। बिल्डिंग से एमजी रोड तक उपलब्ध 30 मीटर चौड़ी रास्ता खोलने और अतिक्रमण हटाने को लेकर अपील प्रस्तुत की गई थी। जिस पर निगम भी अतिक्रमण के सवालों के घेरे में आ गया था। बरहाल इमारत के आसपास से फूलों के ठेले, पक्की दुकानें, निगम द्वारा नोटिस देने के बाद तोड़ दिए गए हैं और जहां तक वन सेंटर के क्षेत्र में शौचालय निर्माण की बात है तो वह वन सेंटर के क्षेत्र के बाहर है। कोर्ट कमिश्नर की रिपोर्ट में पाया गया की बेसमेंट पार्किंग उपलब्ध है और आवागमन वैकल्पिक मार्ग से संभव है। इसी के चलते कोर्ट में सिंगल बेंच के आदेश को सही मानते हुए अपील को खारिज कर दिया।

भोजशाला विवाद : सबकी टिकीं नजरें, आज है सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप से इनकार करते हुए मामला इंदौर हाई कोर्ट के जिम्मे छोड़ा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्य प्रदेश के धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला परिसर के एएसआई सर्वेक्षण को लेकर चल रहे कानूनी विवाद में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट ने एक बड़ा मोड़ ला दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने हस्तक्षेप से इनकार करते हुए मामला मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के जिम्मे छोड़ दिया है। मिली जानकारी के अनुसार वीडियोग्राफी और मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों पर अब इंदौर हाई कोर्ट ही अंतिम निर्णय लेगा। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि सर्वेक्षण के दौरान की गई वीडियोग्राफी और उस पर उठाई गई आपत्तियों पर अंतिम निर्णय अब मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ही करेगा। सुप्रीम कोर्ट ने मुस्लिम पक्ष की याचिका पर तत्काल हस्तक्षेप से इनकार करते हुए उन्हें वापस हाई कोर्ट जाने की सलाह दी है। मुख्य पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि उन्हें इस बात पर कोई संदेह नहीं है कि हाई कोर्ट प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के तहत वीडियोग्राफी का सूक्ष्मता से परीक्षण करेगा। शीर्ष अदालत ने साफ किया कि उसने इस मामले के गुण-दोष पर कोई राय व्यक्त नहीं की है। कोर्ट ने भरोसा जताया कि इंदौर खंडपीठ सभी कानूनी पहलुओं और साक्ष्यों को ध्यान में रखकर ही कोई फैसला सुनाएगी। मुस्लिम पक्ष की मुख्य आपत्ति यह है कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा कराए गए सर्वे की वीडियोग्राफी के फुटेज उन्हें उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। उनकी दलील है कि 2 अप्रैल को होने वाली प्रस्तावित सुनवाई से पहले उन्हें इन साक्ष्यों को देखने और उन पर अपनी दलीलें तैयार करने का मौका मिलना चाहिए।

वीडियोग्राफी सबसे बड़ा साक्ष्य

मुस्लिम पक्ष ने 11 मार्च को भी आवेदन दिया था, जिस पर उनकी मांग के अनुसार सुनवाई नहीं हो सकी थी। हमें इस बात में कोई संशय नहीं है कि हाईकोर्ट वीडियोग्राफी फुटेज और उस पर संबंधित पक्षों द्वारा उठाई गई आपत्तियों का गहराई से परीक्षण करेगा। सभी कानूनी मुद्दे हाई कोर्ट की अंतिम सुनवाई के लिए खुले रहेंगे। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश हाई कोर्ट की स्वायत्तता को बनाए रखने वाला है। भोजशाला जैसे संवेदनशील मामले में वीडियोग्राफी सबसे बड़ा साक्ष्य है, जिस पर दोनों पक्षों के दावे टिके हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गेंद वापस हाई कोर्ट के पाले में....

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गेंद वापस हाई कोर्ट के पाले में डालने का मतलब है कि अब 2 अप्रैल को इंदौर हाई कोर्ट में होने वाली सुनवाई ऐतिहासिक होगी। यहीं तय होगा कि सर्वे की पारदर्शिता को लेकर उठाए गए सवालों का समाधान कैसे होगा।

ईंधन अस्थिरता के बीच इलेक्ट्रानिक वाहनों की बिक्री 73,000 के पार

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● खाड़ी देशों में चल रहे संघर्ष के प्रभावों से जूझ रहे वैश्विक तेल बाजारों के बीच, इंदौर मध्य प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के पावरहाउस के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर रहा है। क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय के नए आंकड़ों से पता चलता है कि 31 मार्च तक शहर में 73,000 इलेक्ट्रिक वाहनों का पंजीकरण हो चुका है।

मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के कारण हाल के महीनों में यह गति और तेज हुई है। आरटीओ के रिकॉर्ड के अनुसार, पिछली तिमाही में ही इंदौर में लगभग 5,000 नए ईवी सड़कों पर उतरे, जिनमें मार्च में 2,000 से अधिक की बिक्री दर्ज की गई। इंदौर के आरटीओ प्रदीप कुमार शर्मा ने कहा कि इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री में उछाल तेजी से हो रहे बुनियादी ढांचे के विकास और उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं के संयोजन से प्रेरित है। शर्मा ने कहा, 'इंदौर नगर निगम और निजी कंपनियां शहर भर में चार्जिंग स्टेशन तेजी से स्थापित कर रही हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'पर्यावरण के अनुकूल होने के साथ-साथ, ये वाहन आम यात्रियों के लिए काफी किफायती भी साबित हो रहे हैं। 'हालांकि इस वित्तीय वर्ष में इंदौर आरटीओ के कुल राजस्व संग्रह को फिर से चुनौतियों का सामना करना पड़ा, लेकिन हरित ऊर्जा क्षेत्र एक उज्ज्वल पहलू बना रहा। यह बदलाव केवल छोटे प्रारूपों तक ही सीमित नहीं है; लग्जरी इलेक्ट्रिक कारों, इलेक्ट्रिक ट्रकों और ट्रांजिट बसों की मांग बढ़ रही है। ईवी की बढ़ती मांग के बावजूद, इंदौर आरटीओ एक जटिल वित्तीय परिदृश्य का सामना कर रहा है। लगातार तीसरे वर्ष, कार्यालय अपने वार्षिक राजस्व लक्ष्य को पूरा नहीं कर पाया और पिछले वित्तीय वर्ष में 362.94 करोड़ रुपये का घाटा दर्ज किया। इसका मुख्य कारण पड़ोसी उज्जैन में लगने वाला विक्रम व्यापार मेला है। मेले का 50% आजीवन सड़क कर है। छूट ने खरीदारों को, विशेष रूप से लग्जरी सेगमेंट के खरीदारों को, इंदौर (एमपी-09) के बजाय उज्जैन (एमपी-13) में अपने वाहनों का पंजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित किया था।

बीआरटीएस : सड़कों का कायाकल्प जारी

8 बस स्टॉप हटे, 3 पर काम जारी, आयुक्त ने दिए सख्त निर्देश

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में यातायात को सुगम और व्यवस्थित बनाने के लिए बड़े स्तर पर बदलाव तेजी से किए जा रहे हैं। इसी क्रम में आयुक्त क्षितिज सिंघल ने बुधवार को बीआरटीएस कॉरिडोर और मास्टर प्लान की सड़कों का विस्तृत निरीक्षण कर निर्माण एवं सुधार कार्यों की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान बीआरटीएस कॉरिडोर पर डिवाइडर, बस स्टॉप और रेलिंग हटाने के कार्यों की प्रगति का जायजा लिया गया। अब तक कुल 17 में से 8 बस स्टॉप पूरी तरह हटाए जा चुके हैं, जबकि 3 बस स्टॉप पर कार्य तेजी से जारी है। हटाए गए प्रमुख बस स्टॉप में राजीव गांधी चौराहा, भंवरकुआं, नवलखा, होल्कर साइंस कॉलेज और जीपीओ जैसे महत्वपूर्ण स्थान शामिल हैं। इन स्थानों पर सड़क समतलीकरण और डामरीकरण का कार्य भी पूरा कर लिया गया है।

आयुक्त ने निर्देश दिए कि बस स्टॉप और रेलिंग हटाने के बाद तुरंत सफाई, पेचवर्क और सड़क समतलीकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। साथ ही निर्माण कार्य के दौरान सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बैरिकेडिंग और संकेतक लगाने के भी निर्देश दिए गए। नवलखा से होल्कर साइंस कॉलेज के बीच लगभग 670 मीटर हिस्से को छोड़कर शेष बीआरटीएस मार्ग से रेलिंग हटाने का कार्य पूरा हो चुका है।

सड़कों का भी निरीक्षण किया-बीआरटीएस निरीक्षण के बाद आयुक्त ने शहर की विभिन्न मास्टर प्लान सड़कों का भी निरीक्षण किया। इनमें मूसाखेड़ी से सांवरिया मंदिर तक सर्विस रोड, मालवीय नगर, एमआईजी से रिंग रोड लिंक रोड, एमआर-04 मार्ग और जावरा कंपाउंड क्षेत्र की सड़कों के कार्य शामिल हैं। आयुक्त क्षितिज सिंघल ने संबंधित एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी कार्य निर्धारित समयसीमा में उच्च गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं।

निगम ने रचा राजस्व वसूली का इतिहास, 1086 करोड़ रुपए पार हुआ राजस्व

पिछले वर्ष से 155 करोड़ अधिक राजस्व की वसूली, स्वच्छता के साथ कर भुगतान में भी अव्वल बना शहर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● इंदौर ने एक बार फिर देश के सामने अपनी जिम्मेदार नागरिकता का उदाहरण पेश कर रहा है। नगर निगम द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में 1086.92 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व संग्रह कर नया कीर्तिमान स्थापित किया गया है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष 2024-25 में प्राप्त 932 करोड़ रुपये से लगभग 155 करोड़ रुपये अधिक है, जो शहरवासियों के बढ़ते विश्वास और सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव, आयुक्त क्षितिज सिंघल और राजस्व प्रभारी निरंजनसिंह चौहान ने इस उपलब्धि को शहर के नागरिकों की जागरूकता, जिम्मेदारी और समय पर कर भुगतान की आदत का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि इंदौरवासियों ने यह साबित कर दिया है कि वे सिर्फ स्वच्छता में ही नहीं, बल्कि शहर के विकास में आर्थिक रूप से भी बराबर भागीदारी निभाते हैं। नगर निगम को यह आय विभिन्न स्रोतों से प्राप्त हुई, जिनमें संपत्तिकर, जलकर, बल्क वॉटर शुल्क, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन (एसडब्ल्यूएम), मार्केट शुल्क, लाइसेंस शुल्क, कॉलोनी सेल और बिल्डिंग परमिशन प्रमुख हैं। इन सभी मदों में नागरिकों का सकारात्मक सहयोग देखने को मिला, जिसने इस ऐतिहासिक उपलब्धि को संभव बनाया। शहर की यह उपलब्धि केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह इंदौर की उस सोच को दर्शाती है जहां नागरिक अपने कर्तव्यों को समझते हुए शहर के विकास में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। स्वच्छता में देश में कई बार नंबर-1 रहने वाला इंदौर अब राजस्व संग्रहण में भी मिसाल बनता जा रहा है। महापौर और आयुक्त ने सभी करदाताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यही सहयोग भविष्य में इंदौर को और अधिक विकसित, सुव्यवस्थित और आत्मनिर्भर शहर बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे इसी तरह समय पर करों का भुगतान करते रहें, ताकि विकास कार्यों की गति बनी रहे और इंदौर नई ऊंचाइयों को छूता रहे।

वार्ड 39 में 9.31 करोड़ राजस्व वसूली

वित्तीय वर्ष 2025-26 में इंदौर नगर निगम ने संपतिकर वसूली के क्षेत्र में नया कीर्तिमान स्थापित किया है। निगम द्वारा इस वर्ष कुल 1043 करोड़ रुपये की वसूली की गई, जो पिछले वर्ष के 931 करोड़ रुपये की तुलना में उल्लेखनीय वृद्धि है। इस उपलब्धि में खजराना क्षेत्र का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। विशेष रूप से मुस्लिम बहुल्य वार्ड क्रमांक 39 से सर्वाधिक 9 करोड़ 31 लाख रुपये की रिकॉर्ड वसूली दर्ज की गई है, जो अपने आप में एक बड़ी सफलता मानी जा रही है। इस उपलब्धि के पीछे निगम के अधिकारियों की सक्रियता और रणनीतिक कार्यशैली का बड़ा हाथ रहा। एआरओ मयंक जैन और रेवेन्यू इंस्पेक्टर रियाज अंसारी की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने क्षेत्र में प्रभावी तरीके से कर वसूली अभियान को गति दी। निगम अधिकारियों का कहना है कि पारदर्शिता, सतत संपर्क और जनजागरूकता के माध्यम से करदाताओं को प्रेरित किया गया, जिसके चलते यह सफलता संभव हो सकी। आने वाले समय में भी इसी तरह की मुहिम जारी रखकर वसूली के नए लक्ष्य हासिल करने का प्रयास किया जाएगा।

रोड़ मरम्मत के नाम पर इंजीनियर का बड़ा भ्रष्टाचार

बनेडिया ग्रामवासियों ने इंजीनियर पर लगाए गंभीर आरोप

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

देपालपुर ● बनेडिया से सांवेर जाने वाले मार्ग की स्थिति जर्जर हो गई है मार्ग पर 34.8 किमी के इस मार्ग पर आठ किमी के हिस्से में कई जगह दरारें आ गई है जिससे वाहन चालकों के साथ दुर्घटना का अंदेशा बना हुआ है वहीं कई बार वाहन चालक छोटी-मोटी दुर्घटना का शिकार भी हो गए यह मार्ग देपालपुर से बनेडिया होते हुए 2018 में इस रोड का भूमि पूजन पूर्व लोकसभा अध्यक्ष एवं सांसद सुमित्रा महाजन एवं विधायक मनोज पटेल द्वारा किया गया इसके बाद रोड का निर्माण शुरु हुआ करीब 34.8 किमी का यह सीमेंट कांक्रिट रोड 78.66 करोड़ रुपए की लागत से बना है वहीं अब 12 किमी के हिस्से में बनेडिया से अटाहेड़ा तक करीब अनेक स्थान पर सीमेंट कांक्रीट रोड में जगह-जगह दरारें आ रही है इस वजह से आये दिन दो पहिए चालक दुर्घटना का शिकार हो गए।

एमपीआरडीसी ने दो बार दरारों को सुधारने का काम किया लेकिन घटिया निर्माण की वजह से दरारें वापस उखड़ गई बीच मार्ग पर दरारों से बचने के चक्कर में कई बार चार पहिया वाहन चालक आमने-सामने हो जाते हैं।

खिमलावदा मार्ग से जैन मंदिर तक एक किमी में भी कई जगह रोड उखड़ने लगी इस बारे में एमपीआरडीसी केइंजीनियर नवीन भगत 2 साल से ग्रामीण जनों को बेवकूफ बनाते आ रहे हैं जब भी उनसे चर्चा की जाती है तो एक ही जवाब दिया जाता है की जल्द ही डामर का कार्य प्रारंभ किया जाएगा यह बात सुनते सुनते ग्रामीण जनों को 2 साल से ऊपर हो चुके हैं परंतु अभी तक काम चालू नहीं हो पाया है यह गांव वालों को बेवकूफ बनाते अपना काम निकल रहे हैं विगत महिने एमपीआरडीसी के तहत मार्गो को दुरुस्त करने के लिए जगह-जगह पर बैनर लगा दिए गए परंतु 2 माह से अधिक हो चुका है अभी तक वहां पर ठीक प्रकार से काम प्रारंभ नहीं हो पाया है, एक जगह पर अभी 3 महीने पूर्व एमपीआरडीसी के तहत रोड को खोद कर उसमें सीमेंट की बजाय सिर्फ गिट्टी डालकर लिपा पोती कर दी गई है। उसमें अभी से ही उखड़ी गिट्टी नजर आ रही है इस कार्य के लिए एमपीआरडीसी के इंजीनियर ने लाखों रुपए एमपी रोड से लेकर अपनी जेब भरने का काम कर रहे हैं। जानकारी में पता चला ठेकेदार और इंजीनियर सरकार के नियमों को खूंटी पर टांग कर काम कर रहे इनका भ्रष्टाचार चरम पर है एमपीआरडीसी जिम्मेदार अधिकारियों खुलेआम शासन प्रशासन को चुनौती दे रहे हैं। अब देखना होगा क्या इंजीनियर पर प्रशासन कोई कठोर कार्रवाई करेगा या फिर मामले को रफा दफा कर दबा दिया जाएगा। जिम्मेदार जनप्रतिनिधि इस रोड को लेकर गंभीर नहीं है पहले भी इस रोड पर हादसे से हो चुके हैं बनेडिया आटाहेड़ा के ग्राम वासियों में भारी आक्रोश देखने को मिला है गांव के सरपंच प्रतिनिधि, बाबूलाल पटेल पूर्व सरपंच धर्मराज पटेल, पूनमचंद पटेल महेंद्र पटेल जमील पटेल असलम पटेल, प्रकाश पटेल बलराम पटेल आदि ने रोड को मरम्मत करने की मांग की है और इस भ्रष्ट इंजीनियर को शीघ्र हटाए जाने की मांग भी की गई।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरुद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।